सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 24, नई दिल्ली | रविवार, 09 अप्रैल 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

बुरा वक्त भी हमे कुछ नया सीखा जाता है, कुछ नया नहीं तो, हमे अपने और पराये की पहचान करा ही जाता है।

इनसाइड

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर चलती बस में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

अधिकारियों ने बताया कि ड्राइवर ने आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग तेज होने के कारण उसने बस रोक दी जिसके बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

नई दिल्ली। दिल्ली-जयपुर राजमार्ग पर शुक्रवार सुबह एक बस में आग लग गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चालक ने आग बुझाने के यंत्र से आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग तेज होने के कारण उसने बस रोक दी जिसके बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि बस पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई लेकिन इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह गुरुग्राम होते हुए दिल्ली से मानेसर जा रही बस में रामपुरा फ्लाईओवर के पास आग लग गई।

दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम सहित इन शहरों में घटे सीएनजी के दाम, जानें नए रेट

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित नोएडा गुरुग्राम और गाजियाबाद सीएनजी के कीमते कम हो गई हैं। नई दरें रविवार की सुबह छह बजे से लागू हो जाएंगी। दिल्ली में अब सीएनजी 73.59 रुपये प्रति किग्रा की कीमत पर मिला करेगी।

संजय बाटला

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद सीएनजी के कीमते कम हो गई हैं। नई दरें रविवार की सुबह छह बजे से लागू हो जाएंगी। दिल्ली में अब सीएनजी 73.59 रुपये प्रति किग्रा की कीमत पर मिला करेगी।

जानिए कीमतें

दिल्ली में अब सीएनजी के दाम 73.59 रुपये प्रति क्रिलोग्राम हो जाएंगी। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की नई कीमतें 77.20 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। गुरुग्राम में सीएनजी 82.62 रुपये प्रति किलोग्राम मिला करेगी। वहीं, रेवाड़ी में 84.20 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। सभी कीमतें रविवार (9 अप्रैल) सुबह छह बजे से चालू हो जाएंगी।

ना किसी के दबाव में, ना किसी के प्रभाव में !!!
निर्भकता से आपके लिए प्रस्तुत करे खबरे
सिर्फ और सिर्फ, सच :- परिवहन विशेष

अब आपके लिए अवसर परिवहन विशेष समाचार पत्र मे काम करने का

अगर आप को पत्रकारिता का शौक है और जनहित के मुद्दों को लिखने/उठाने और उनका हल करवाने के इच्छुक है तो आप परिवहन विशेष (हिन्दी दैनिक) समाचार पत्र के साथ जुड़कर अपना सपना/इच्छा पूरी कर सकते हैं।

इस फेलोशिप के जरिए आपको मिलेगा पत्रकारिता में सफलता प्राप्त कर पत्रकार बनने के अवसर । फेलोशिप के दौरान आप देश के हिन्दी अखबार दैनिक के साथ काम कर पाएंगे। 15 माह की फेलोशिप पूरी करने के बाद आपके पास होगा परिवहन विशेष में नौकरी करने का अवसर ।

जर्नलिजम प्रिंट एवं डिजिटल फेलोशिप

फेलोशिप के दौरान दूसरे माह से कार्य करने के प्रति जागरूकता और क्षमता के अनुसार मासिक स्टाइपेंड दिया जाएगा।

जरूरी योग्यता :-हिन्दी बोलने, पढ़ने और लिखने में दक्षता।

आवेदन 25 मार्च 2023 से 30 अप्रैल 2023 के बीच किए जा सकते हैं।

newstransportvishesh@gmail.com
www.newstransportvishesh.com

तेलंगाना को मिली दूसरी वंदे भारत ट्रेन, कार्यक्रम से दूर रहे KCR; मोदी बोले- विकास कार्यों से बौखलाए कुछ लोग

परिवहन विशेष संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैदराबाद पहुंच गए है।राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन और अन्य गणमान्य लोगों ने उनका स्वागत किया है। पीएमओ ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। इस दौरान पीएम मोदी ने सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैदराबाद (PM Modi Telangana) पहुंच गए है। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन और अन्य गणमान्य लोगों ने उनका स्वागत किया है। पीएमओ ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। पीएम आज तेलंगाना में 11,360 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करने जा रहे हैं।

वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

पीएम मोदी ने हैदराबाद में सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। बता दें कि ये देश की 13वीं वंदे भारत ट्रेन (Vande Bharat Train) है। यह ट्रेन सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन आईटी सिटी, हैदराबाद को भगवान वेंकटेश्वर के निवास स्थान तिरुपति से जोड़ती है।

यह तीन महीने की छोटी अवधि के भीतर तेलंगाना से शुरू की जाने वाली दूसरी वंदे भारत ट्रेन है। बता दें कि ये ट्रेन दोनों शहरों के बीच की यात्रा के समय को लगभग साढ़े तीन घंटे कम कर देगी और तीर्थयात्रियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगी।

एम्स बीबीनगर का किया शिलान्यास

हैदराबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एम्स बीबीनगर का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास और अन्य विकास परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

तेलंगाना-आंध्रप्रदेश को जोड़ने वाली वंदे भारत ट्रेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना-आंध्रप्रदेश को जोड़ने वाली एक और वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने कहा, यह ट्रेन एक प्रकार से आस्था, आधुनिकता और टूरिज्म को जोड़ने वाली है। इसके साथ ही आज यहां 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है।

70 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क बनाया गया

पीएम मोदी ने कहा कि हैदराबाद में करीब 70 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क बनाया गया है। आज यहां 13 MMTS सर्विस शुरू हुई है, MMTS का तेजी से विस्तार हो सके जिसके लिए तेलंगाना के लिए 600 करोड़ रुपए रखे गए हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे के साथ ही केंद्र सरकार द्वारा यहां हाईवे के प्रोजेक्ट का तेज़ी से विकास किया जा रहा है। केंद्र सरकार तेलंगाना में आधुनिक नेशनल हाईवे के निर्माण के लिए जुटी है।

विकास कार्यों से बौखलाए हुए हैं कुछ लोग

पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ मुट्ठीभर लोग विकास कार्यों से बौखलाए हुए हैं, ऐसे लोग जो परिवारवाद, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को पोषित करते रहे उन्हें काम करने वाले लोगों से परेशानी हो रही है। इन्हें देश, समाज के भले से कोई लेनादेना नहीं है। इन्हें सिर्फ अपने कुंबे को फलता-फूलता देखना पसंद है। तेलंगाना को ऐसे लोगों से सतर्क रहना जरूरी है।

तिलमिलाए हुए हैं कुछ लोग

पीएम मोदी ने परिवारवाद पर कहा, 'इनके तीन मतलब सत्य थे, पहला इनके ही परिवार की जय-जयकार हो, दूसरा करप्शन का पैसा इनके पास आता रहे और तीसरा जो पैसे गरीब के लिए भेजे जाते थे वह पैसे इनके भ्रष्ट ईको सिस्टम के अंदर बांटने में काम आ जाए। ये तिलमिलाए हुए हैं, बौखलाहट में कुछ भी किए जा रहे हैं। कुछ दिन पहले ऐसे कई राजनीतिक दल कोर्ट पहुंच कि हमें सुरक्षा दो कि हमारे भ्रष्टाचार की किताबें कोई खोले नहीं, कोर्ट ने वहां भी उन्हें झटका दे दिया।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

परिवहन विभाग ने 1600 बसों का बेड़ा किया तैयार, 22 से यात्रा शुरू, ऐसे होगा बसों का संचालन

परिवहन विशेष संवाददाता

देहरादून। चारधाम यात्रा 22 अप्रैल से शुरू होनी जा रही है। यात्रा के लिए 1600 बसों का इंतजाम किया गया है, इसमें से 800 बसें स्टेज कैरिज की होंगी। सभी मार्गों पर संचालित कुल वाहनों में से 40 प्रतिशत का ही चारधाम यात्रा में प्रयोग किया जाएगा।

चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों को कोई समस्या न हो, इसके लिए परिवहन विभाग ने 1600 बसों का बेड़ा तैयार कर लिया है। यह बसें नौ रोटेशन कंपनियों के जरिये संचालित की जाएंगी। वहीं, कुमाऊं और हरिद्वार से भी बड़ी संख्या में बसों का संचालन किया जाएगा। जरुरत पड़ने पर परिवहन निगम की बसों को भी मंगाया जाएगा।

पिछली बार करीब 1300 बसों का प्रयोग किया गया था।चारधाम यात्रा 22 अप्रैल से शुरू होनी है। इसके लिए सभी विभागों ने कमर कस ली है। परिवहन विभाग ने भी चारधाम यात्रा को संपन्न कराने के लिए अपनी तैयारियों को पूरा कर लिया है।

आरटीओ सुनील शर्मा ने बताया कि यात्रा में वाहनों की कमी नहीं रहेगी। नौ रोटेशन कंपनियों से बातचीत के आधार पर बसों की आवश्यकता और उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। 1600 बसों का इंतजाम किया गया है, इसमें से 800 बसें स्टेज कैरिज की होंगी।

550 बसों का यात्रा में किया जाएगा प्रयोग

कॉन्ट्रैक्ट कैरिज की 550 बसों को चारधाम यात्रा में प्रयोग किया जाएगा। स्टेज कैरिज की करीब 50 बसें कुमाऊं से यात्रा में संचालित की जाएंगी। हरिद्वार से भी कॉन्ट्रैक्ट कैरिज की 200 से अधिक बसों का इंतजाम किया गया है। इसके अलावा रोडवेज की करीब 125 बसें अतिरिक्त रहेंगी। इन्हें जरुरत पड़ने पर प्रयोग किया जाएगा।

व्यावसायिक और स्कूल बसों की सूची भी की तैयार वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में परिवहन विभाग ने व्यावसायिक वाहनों और स्कूल बसों की सूची भी तैयार कर ली है। वाहनों की कमी पड़ी तो छोटे व्हील बेस वाले वाहनों का भी प्रयोग किया जाएगा। सभी मार्गों पर संचालित कुल वाहनों में से 40 प्रतिशत का ही चारधाम यात्रा में प्रयोग किया जाएगा।

डीएमआरसी सभी लाइनों (एयरपोर्ट लाइन को छोड़कर) पर अपनी अंतिम ट्रेन का समय लगभग 30 से 45 मिनट तक बढ़ाएगी.

IPL मैचों को देखते हुए दिल्ली मेट्रो ने बदला टाइमिंग, चेक करें कहां और कितने बजे चलेगी आखिरी ट्रेन

परिवहन विशेष न्यूज

देश में के खुमार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शहर में दर्शकों की भीड़ को देखते हुए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) ने सभी लाइनों की ट्रेनों के समय को मई 2023 तक बढ़ाने का फैसला किया है.

नई दिल्ली। देश में आईपीएल के खुमार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शहर में दर्शकों की भीड़ को देखते हुए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) ने सभी लाइनों की ट्रेनों के समय को मई 2023 तक बढ़ाने का फैसला किया है. यह कदम अरुण जेटली स्टेडियम में IPL देखने आए दर्शकों को सहूलियत प्रदान करने के लिए उठाया गया है. अरुण जेटली स्टेडियम वायलेट लाइन (यानी कश्मीरी गेट से राजा नाहर सिंह) पर दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन के निकट है. इसे पहले फिरोजशाह कोटला मैदान के नाम से जाना जाता था. डीएमआरसी सभी लाइनों (एयरपोर्ट लाइन को छोड़कर) पर अपनी अंतिम ट्रेन का समय लगभग 30 से 45 मिनट तक बढ़ाएगी. हालांकि, यह विशेष सेवा सात दिन- 4, 11, 20, 29 अप्रैल और 6, 13, 20 मई 2023 को ही उपलब्ध होगी.

दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर:-

यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली मेट्रो मैच के दिनों में दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन पर अतिरिक्त कर्मचारी, अतिरिक्त टोकन वेंडिंग मशीन और प्री-वेंडेड टोकन काउंटर भी तैनात करेगी. फिलहाल दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के तहत नौ लाइनें ऑपरेशनल में हैं. इसमें रेड लाइन (लाइन-1), येलो लाइन (लाइन-2), ब्लू लाइन (लाइन-3/4), ग्रीन लाइन (लाइन-5), वायलेट लाइन (लाइन-6), पिंक लाइन (लाइन- 7), मैजेंटा लाइन (लाइन-8), और ग्रे लाइन (लाइन-9) शामिल है.

जानिए दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर में आखिरी ट्रेन का समय:-

रेड लाइन (लाइन-1): रेड लाइन रिठाला को शहीद स्थल न्यू बस अड्डा से जोड़ती है. दोनों स्थानों से अंतिम ट्रेन क्रमशः रात को 12 बजे और 11:50 बजे चलेगी.

येलो लाइन (लाइन-2): येलो लाइन समयपुर बादली को हुडा सिटी सेंटर से जोड़ती है. दोनों स्टेशनों से आखिरी ट्रेन क्रमशः रात 11:50 बजे और रात 11:20 बजे निकलेगी.

ब्लू लाइन (लाइन-3/4): ब्लू लाइन द्वारका सेक्टर-21 को नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी और वैशाली से जोड़ती है. तीनों जगहों से आखिरी ट्रेन क्रमशः रात 11:20 बजे, रात 11:25 बजे और रात 11:30 बजे निकलेगी.

ग्रीन लाइन (लाइन-5): लाइन-5 कीर्ति नगर/इंद्रलोक को ब्रिगेडियर होशियार सिंह से जोड़ती है. कीर्ति नगर और इंद्रलोक से आखिरी मेट्रो क्रमशः 12:30 बजे और 12:20 बजे चलेगी.

वायलेट रेखा (लाइन-6): यह लाइन कश्मीरी गेट को राजा नाहर सिंह से जोड़ती है. दोनों जगहों से आखिरी मेट्रो ट्रेन रात 12 बजे और रात 10:55 पर निकलेगी.

पिंक लाइन (लाइन-7): यह लाइन मजलिस पार्क को शिव विहार से जोड़ती है. दोनों स्टेशनों से आखिरी मेट्रो रात 11 बजकर 40 मिनट पर निकलेगी.

मैजेंटा लाइन (लाइन-8): मैजेंटा लाइन जनकपुरी पश्चिम को बॉटनिकल गार्डन से जोड़ती है. दोनों जगहों से आखिरी ट्रेन क्रमशः दोपहर 12:40 बजे और 12:30 बजे चलेगी.

ग्रे लाइन (लाइन-9): ग्रे लाइन द्वारका को ढांसा बस स्टैंड से जोड़ती है. यहां से अंतिम ट्रेन रात में 1 बजे और 12:45 पर निकलेगी.

इनसाइड

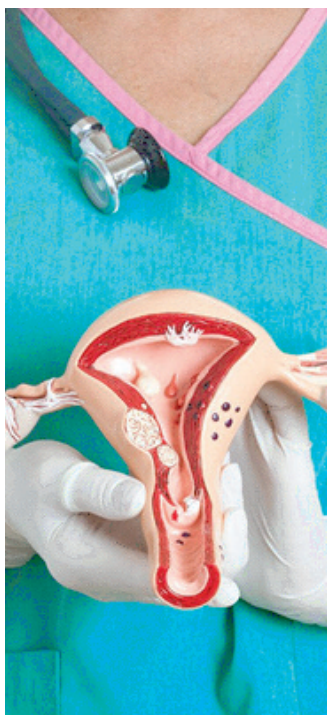

सर्वाइकल कैंसर का खतरा युवा महिलाओं को ज्यादा, अपोलो की डॉक्टर सारिका गुप्ता ने बताए बचाव के तरीके

कैंसर शरीर के किसी भी हिस्से में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि की वजह से हो जाता है. कैंसर कई तरह के होते हैं. इनमें से एक सर्वाइकल कैंसर (Cervical Cancer) होता है, जो महिलाओं में होने वाला कॉमन कैंसर है. दुनियाभर में हर साल बड़ी तादाद में महिलाएं महिलाएं सर्वाइकल कैंसर की वजह से अपनी जान गंवा देती हैं. चिंताजनक बात यह है कि सर्वाइकल कैंसर का खतरा कम उम्र की महिलाओं को ज्यादा होता है. आज कैंसर स्पेशलिस्ट से जानेंगे कि सर्वाइकल कैंसर क्या है, इसके क्या लक्षण होते हैं और इससे किस तरह बचा जा सकता है.

नई दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल के गायनेकोलॉजी ओन्कोलॉजी डिपार्टमेंट की सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर सारिका गुप्ता के मुताबिक सर्वाइकल कैंसर महिलाओं की बच्चेदानी के मुख में होने वाला कैंसर है. इसे बच्चेदानी के मुंह का कैंसर भी कहा जाता है. आमतौर पर 35 साल से लेकर 50 साल की उम्र वाली महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर का खतरा ज्यादा होता है. यह कैंसर दो तरह का होता है- पहला लो ग्रेड और दूसरा हाई ग्रेड. लो ग्रेड कैंसर धीरे-धीरे फैलता है, जबकि हाई ग्रेड कैंसर तेजी से फैलता है और इसमें मौत का खतरा ज्यादा होता है. ऐसे में सही वक्त पर इलाज कराना बेहद जरूरी है. ऐसी महिलाओं को खतरा ज्यादा डॉक्टर सारिका गुप्ता कहती हैं कि सर्वाइकल कैंसर का खतरा उन महिलाओं को ज्यादा होता है, जिनकी इम्यूनिटी कमजोर हो और एचआईवी या अन्य कोई गंभीर बीमारी हो. मल्टीपल सेक्सुअल पार्टनर, जेनिटल हाइजीन की कमी और जल्दी बच्चे होने वाली महिलाओं को इसका जोखिम ज्यादा होता है. इसके अलावा स्मोकिंग करने से भी सर्वाइकल कैंसर का खतरा बढ़ जाता है. 30 साल की उम्र के बाद महिलाओं को इससे बचने के लिए समय-समय पर स्क्रीनिंग करानी चाहिए. सर्वाइकल कैंसर का पता प्री-कैंसरस स्टेज में भी लगाया जा सकता है और सही इलाज के जरिए कैंसर से बचा भी जा सकता है.

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

– पार्टनर के साथ संबंध बनाने के बाद ब्लीडिंग
– पीरियड्स के बीच अनियमित माहवारी होना
– बदबूदार पानी आना या ब्लड स्ट्रीम डिस्चार्ज
– मेनोपॉज के बाद ब्लीडिंग या स्पॉटिंग होना

सर्वाइकल कैंसर का ट्रीटमेंट और बचाव

डॉक्टर के अनुसार सर्वाइकल कैंसर अगर शुरुआती स्टेज में हो, तो सर्जरी के जरिए इसका इलाज किया जाता है. एडवांस स्टेज में कीमोथेरेपी की जरूरत होती है. हर मरीज की कंडीशन को देखकर ही ट्रीटमेंट किया जाता है. जितना जल्दी इसका पता लग जाए, मौत का खतरा उतना कम हो सकता है. बचाव की बात करें, तो सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए HPV का टीका लगवाएं और अपनी इम्यूनिटी को बूस्ट करें. स्मोकिंग से दूरी बनाएं और संबंध बनाते वक्त कॉन्ट्रासेप्टिव इस्तेमाल करें. समय-समय पर गायनेकोलॉजिस्ट से मिलकर अपनी जांच करवाएं.

6 बदलाव, जो 40 की उम्र के बाद हर महिला झेलती है! नॉर्मल हैं ये मेंटल और फिजिकल चेंज

इस उम्र में कई शारीरिक व मानसिक बदलाव

उम्र बढ़ने के साथ ही महिलाओं के मानसिक और शारीरिक सेहत में कई बदलाव तेजी से देखने को मिलते हैं. ये बदलाव कई बार फ्रस्टेटिंग होते हैं तो कई बार दैनिक जीवन को भी प्रभावित करते हैं. यहां हम आपको बताते हैं कि 40 की उम्र के बाद किस तरह के बदलाव महिलाएं महसूस करती हैं.

उम्र बढ़ना एक नेचुरल प्रोसेस है. लेकिन जब महिलाएं 40 की उम्र में प्रवेश करती हैं तो उनके शारीरिक और मानसिक सेहत में कुछ ऐसे बदलाव आने शुरू होते हैं जिसे वह आसानी से महसूस कर पाती है और लगभग हर महिला ऐसी समस्याओं से जूझती है. कुछ महिलाएं ऐसे बदलाव से इरिटेट होने लगती हैं और कुछ निराश हताश. यह वह समय होता है जब मेनोपॉज की तरफ आप बढ़ना शुरू करती हैं. इस समय महिलाएं शारीरिक और मानसिक बदलावों की वजह से निराश और कई बार अनकंफर्टेबल भी महसूस करती हैं. लेकिन आपको बता दें इनका समाधान संभव है.

प्रिवेंट वेबसाइट में इन विषयों की एक्सपर्ट पीएचडी, लॉरा बरमन का कहना है कि महिलाएं ऐसे हालातों को चुपचाप सहती हैं जबकि उन्हें अपने डॉक्टर से इस विषय पर सलाह लेने की जरूरत होती है. यहां हम आपको बताते हैं कि 40 की उम्र के बाद किस तरह के बदलावों से महिलाएं गुजरती हैं.

40 की उम्र के बाद महिलाओं के शरीर में बदलाव

ब्रेन फॉगिंग

अगर आप चीजों को रखकर भूल जा रही हैं या आप छोटी-छोटी बातों को याद नहीं रख पा रहीं तो ये ब्रेन फॉगिंग का लक्षण हो सकता है. ऐसी समस्याओं से बचने के लिए आप अपने डॉक्टर से संपर्क करें और सही सलाह लें.

ब्लडर लीक होना

अगर आप महसूस करती हैं कि छींकने या खांसने आदि से ब्लडर से कंट्रोल छूट रहा है और लीक हो रहा है तो यह समस्या भी आपके लिए मुसीबत बन सकती है. 40 प्रतिशत महिलाएं 40 की उम्र के बाद ऐसी समस्याओं से जूझती हैं.

बालों का झड़ना

बालों के झड़ने की समस्या भी ज्यादातर महिलाएं 40 की उम्र के बाद महसूस करती हैं. यह हार्मोनल बदलाव की वजह से हो सकता है. अगर आपके बाद काफी झड़ रहे हैं तो आप डर्मोटोलोजिस्ट से संपर्क करें.

फेशियल हेयर का बढ़ना

उम्र बढ़ने पर महिला के शरीर में एस्ट्रोजन लेवल कम होता है और टेस्टोस्टेरोन लेवल बढ़ जाता है. इसकी वजह से चेहरे, ठोरी, उंगलियों आदि पर बाल नजर आने लगते हैं.

सफेद बाल होना

उम्र बढ़ने के साथ ही सिर के बाल ग्रे नजर आने लगते हैं.यही नहीं, शरीर के अन्य हिस्सों पर मौजूद बालों में भी सफेद बाल नजर आने लगते हैं. इसकी वजह से कई महिलाएं शर्म महसूस करने लगती हैं. जबकि यह बॉडी को बिलकुल नॉर्मल प्रोसेस है.

हॉट फ्लश अनुभव करना

80 प्रतिशत महिलाएं मेनोपॉज के वक्त हॉट फ्लश अनुभव करती हैं. यह सिलसिला 7 से 10 साल तक चल सकता है. हालांकि यह समस्या ब्लड क्लॉट, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण भी हो सकते हैं.

व्हट्सअप चैट करने में महिलाएं पुरुषों से आगे, सर्वे में खुलासा, मेंटल हेल्थ से जुड़ा है मामला

व्हाट्सएप पर चैट करने में महिलाएं पुरुषों से काफी आगे हैं. हाल ही में मेंटल हेल्थ हेल्पलाइन (Mental Health Helpline) की ओर से जारी आंकड़े बताते हैं कि टेलिफोन पर कंसल्टेशन या काउंसलिंग लेने के बजाय महिलाएं व्हाट्सएप चैट (WhatsApp Chat) के माध्यम से गोपनीय तरीके से मदद लेना पसंद करती हैं.

सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स फेसबुक (Facebook), ट्विटर, इंस्टाग्राम, टेलिग्राम, व्हाट्सएप (WhatsApp) या अन्य किसी भी एप्लिकेशन का इस्तेमाल आज बहुत ज्यादा बढ़ गया है. चाहे किसी समस्या का समाधान ढूंढना हो, मनोरंजन करना हो, जानकारी लेनी-देनी हो या सगे-संबंधियों से बातचीत करनी हो तो लोग इन एप्स (App) का इस्तेमाल करते हैं. कभी-कभी चैट में मैसेज टाइप करते-करते उलझन सी भी महसूस की होगी लेकिन महिलाओं के मामले में ऐसा नहीं है. व्हाट्सएप पर चैट करना (WhatsApp Chatting) महिलाओं को न केवल फोन पर बात करने के मुकाबले ज्यादा आसान लगता है बल्कि कॉनफिडेंशियल भी लगता है. वे व्हाट्सएप चैट करने में पुरुषों से काफी आगे हैं. खास बात है कि ये चैट भी इस हेल्पलाइन 9999666555 नंबर पर की गई है जो एक मेंटल हेल्थ ऑर्गनाइजेशन का है.

मानसिक स्वास्थ्य संगठन वंद्रेवाला फाउंडेशन की फ्री राष्ट्रीय हेल्पलाइन के 3 महीनों के आंकड़े बताते हैं कि फाउंडेशन की हेल्पलाइन पर मेंटल इश्यूज को लेकर सलाह और परामर्श लेने वालों में युवा आबादी ने सबसे ज्यादा व्हाट्सएप का उपयोग किया है. जबकि मध्यम आयु वर्ग और उससे ऊपर के लोगों ने टेलीफोनिक बातचीत को अधिक पसंद किया.

आंकड़ों से पता चलता है कि अधिकांश युवा अपने मानसिक स्वास्थ्य की मदद के लिए व्हाट्सएप का उपयोग कर रहे हैं और इसे बेहतर मानते हैं. 18 वर्ष से कम आयु के 65 फीसदी, 18-35 आयु वर्ग के 50 फीसदी, 35-60 आयु वर्ग के 28.3% और 60 वर्ष से अधिक आयु के 8 फीसदी लोगों ने मेंटल हेल्थ के लिए व्हाट्सएप यूज किया है.

53 फीसदी महिलाएं जबकि पुरुष 42 फीसदी..

फाउंडेशन के डेटा के अनुसार लगभग 53 फीसदी महिलाएं व्हाट्सएप चैट का उपयोग करके हेल्पलाइन से संपर्क करना पसंद करती हैं, जबकि 42 फीसदी पुरुष व्हाट्सएप चैट का उपयोग करना पसंद करते हैं. वहीं बाकी मामलों में लोग टेलिफोन के द्वारा काउंसलिंग लेते हैं.

खास बात है कि व्हाट्सएप ने उस वर्ग को सबसे ज्यादा राहत दी है जो शायद कभी भी मानसिक स्वास्थ्य सहायता ऑफलाइन क्लीनिकों पर जाकर नहीं ले सकता था. खासतौर पर ऐसी महिलाएं, लड़कियां और युवक जो अपने परिवार या साथियों को बिना बताए अपने मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं पर चर्चा करना चाहते हैं वे व्हाट्सएप का इसके लिए इस्तेमाल करते हैं. वे इसे गोपनीय मानते हैं और समय की उपलब्धता के अनुसार साइलेंट तरीके से अपनी समस्याओं का समाधान हासिल कर पाते हैं.

सुसाइड के विचारों से जूझ रहे लोग

फाउंडेशन की प्रमुख और परोपकारी, प्रिया हीरानंदानी वंद्रेवाला कहती हैं, 'हमसे संपर्क करने वाले एक तिहाई लोगों ने हमें बताया कि वे मानसिक बीमारी, चिंता, अवसाद और आत्महत्या के विचारों से जूझ रहे हैं.

महिलाओं में 5 लक्षण दिखें तो हो जाएं अलर्ट

खराब मेंटल हेल्थ के होते हैं संकेत, सही वक्त पर करें सेल्फ

अत्यधिक अपराधबोध, भय, शर्म या क्रोध का होना भी मेंटल प्रॉब्लम के शुरुआती लक्षण हैं.अत्यधिक अपराधबोध, भय, शर्म या क्रोध का होना भी मेंटल प्रॉब्लम के शुरुआती लक्षण हैं.डिप्रेशन और एंग्जायटी पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक देखने को मिलती है. ये दिमागी बीमारी के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. हकीकत यह है कि महिलाएं महीनों, सालों और कई बार तो जीवनभर इस परेशानी से जूझती हैं, जो बाद में और भी परेशानी की वजह बन जाते हैं. आज आपको बता रहे हैं कि महिलाओं में मेंटल हेल्थ के खराब होने के शुरुआती लक्षण क्या हैं.

अक्सर यह देखने को मिलता है कि महिलाएं अपने मेंटल हेल्थ को लेकर सीरियस नहीं होतीं और सालों साल डिप्रेशन और एंग्जायटी की समस्या से जूझती रहती हैं. इलाज के अभाव में समस्या और भी बढ़ जाती है और हालात कंट्रोल से बाहर हो जाते हैं. आज के बिजी लाइफ स्टाइल में महिलाएं घर और दफ्तर दोनों को सम्हालती हैं और मेंटल हेल्थ से जुड़ी काफी मामलों को नजरअंदाज कर देती हैं. लेकिन अन्य बीमारियों की तरह यह समस्या भी रुकती नहीं और धीरे धीरे जीवन को कई तरह से प्रभावित करती चली जाती हैं. आइए जानते हैं कि महिलाओं में मेंटल हेल्थ की समस्या के शुरुआती लक्षण क्या हैं.

जीवन में कठिनाइयां बढ़ना- क्लीयरव्यू ट्रीटमेंट प्रोग्राम के मुताबिक कभी-कभी मानसिक बीमारी के पहले लक्षण के रूप में देखा जाता है कि महिलाओं का परफॉरमेंस एकाएक खराब होने लगता है. मसलन, खराब ग्रेड आना, काम अच्छा ना होना, अच्छी तरह से जिम्मेदारियों को ना निभा पाना, स्ट्रेस मैनेज नहीं कर पाना, पर्सनल रिलेशन में समस्या आदि. ऐसे लक्षण महिलाओं में मेंटल हेल्थ के बिगड़ने के लक्षण हो सकते हैं.

मूड और भावनाओं में बदलाव- अगर अचानक से महिला के मूड में परिवर्तन हो या मूड में उतार-चढ़ाव आए तो ये भी मानसिक बीमारियों का एक और प्राथमिक संकेत हो सकता है. मसलन, उदास रहना, उत्साह की कमी, एनर्जी और भावनाओं की कमी या उदासीनता की भावना आदि. यही नहीं, ऐसी अवस्था में अत्यधिक अपराधबोध, भय, शर्म या क्रोध का अनुभव भी कर सकता है.

संज्ञानात्मकता की कमी- संज्ञानात्मकता की कमी यानी कि चीजों को बार बार भूलना, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई या भ्रम होना आदि लक्षण मानसिक बीमारी के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं. ऐसे हालत में इंसान इंसानों को भूल सकता है और वह कहीं खोया खोया रहता है.

खतरनाक व्यवहार- मानसिक बीमारी अगर अपने शुरुआती दौर में है तो कभी-कभी ऐसी महिलाएं जोखिम भरे व्यवहार करने लगती हैं. मसलन, अत्यधिक मात्रा में पैसा खर्च करना, जोखिम भरा यौन व्यवहार करना या ड्रग्स और शराब के साथ प्रयोग करना. इस परेशानी से पीछा छुड़ाने के लिए कई बार लोग ड्रग्स या शराब की लत तक के शिकार हो जाते हैं.

हकीकत से दूर होना- कई बार महिलाएं तनाव झेलते झेलते मतिभ्रम महसूस करने लगती हैं जिसमें उन्हें लगता है कि कुछ हो रहा है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा. ऐसा लक्षण होने पर तुरंत आप साइक्रेटिस्ट से संपर्क करें और विशेषज्ञों से मदद लें.

लक्षण दिखने कर क्या करें?

–अगर आप कुछ ऐसा अनुभव कर ही हैं तो विशेषज्ञ की सलाह लें.
–योग और ध्यान का सहाला लें और वॉकिंग या जॉगिंग करें.
–लोगों से मिलें और क्लब आदि ज्वाइन करें.
–बिहेवियर थेरेपी की मदद लें.

प्रियंका चोपड़ा ने 30 की उम्र में अपने एग कराए थे फ्रीज़, आखिर क यों प्रचलित हो रहा यह तरीका

बॉलीवुड में एग फ्रीजिंग तकनीक काफी फेमस हो रही है. हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने भी इस तकनीक की मदद से बच्ची को जन्म दिया है. आखिर ये तकनीक क यों फेमस हो रही है और फैमिली प्लानिंग में ये किस तरह लोगों की मदद कर रही है, इस बारे में सभी को कुछ बातें जान लेनी चाहिए.

प्रियंका चोपड़ा हाल ही में जाने माने अमेरिकन एक्टर फिल्ममेकर डैक्स शेफर्ड के पॉडकास्ट आर्मचेयर एक्सपर्ट के शो में अपनी पर्सनल लाइफ के कुछ जरूरी फैसलों पर चर्चा करते हुए कई बातों को खुलासा किया. इस मौके पर उन्होंने खुलकर इस बात की जानकारी दी कि उन्होंने अपनी मां की सलाह पर अपने एग्स फ्रीज करवाए थे. उन्होंने बताया कि अपने 30 वें साल में लिए गए इस निर्णय की वजह से उन्हें जीवन में कई आजादी भी मिली. प्रियंका अभी 40 साल की हैं और सिंगर एक्टर निक जोनस के साथ एक खुशहाल मैरिड लाइफ जी रही हैं. हाल ही में एग फ्रीजिंग तकनीक से उन्हें बेटी भी हुई है, जिसका नाम मालती मेरी चोपड़ा जोनस है.

आखिर क्या है एग फ्रीजिंग?

मेडिकल न्यूज टुडे के मुताबिक, एग फ्रीजिंग एक मेडिकल प्रक्रिया है जिसमें एक महिला के पास यह विकल्प होता है कि वह बच्चे पैदा करने की उम्र निकल जाने के बाद भी सेरोगेसी से अपने बच्चे को जन्म दे सकती है. दरअसल, जैसे जैसे उम्र बढ़ती है, महिलाओं में अंडे की क्वालिटी घटती जाती है. ऐसे में महिला बच्चे को जन्म तो देना चाहती है लेकिन सिचुएशन की वजह से फिलहाल प्रेग्नेंट नहीं हो सकती, तो ऐसी महिलाओं के लिए एग फ्रीजिंग तकनीक काफी सुविधाजनक और सेफ विकल्प हो सकता है.

एक फ्रीजिंग का क्यों बढ़ रहा ट्रेंड?

करियर और एजुकेशन प्लान में सुविधा- जो महिलाएं एडवांस या हाइयर एजुकेशन में डिग्री हासिल करना चाहती हैं या करियर की वजह से उन्हें प्रेग्नेंसी के लिए मौका नहीं मिल पा रहा, ऐसी महिलाएं युवा अवस्था में अपने भविष्य के प्लान के लिए अंडे फ्रीज करवा सकती हैं. ऐसा करने से महिलाओं के पास एक आजादी होती है कि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें, अच्छा करियर बना सकें और उम्र होने पर अपना परिवार भी बढ़ा सकें.

व्यक्तिगत परिस्थितियां- जो महिलाएं बच्चे तो पैदा करना चाहती हैं, लेकिन अभी तक उन्हें कोई परफेक्ट साथी नहीं मिला है तो वे भविष्य में उपयोग के लिए अपने अंडे को फ्रीज करा सकती हैं. समलैंगिक संबंधों में रहने वाली महिलाएं भी बाद में बच्चा पैदा करने की इच्छा होने पर ऐसा कर सकती हैं.

कैंसर पीड़ित महिलाओं के लिए विकल्प- अगर महिला कैंसर पीड़ित है तो कीमोथेरेपी और अन्य कैंसर उपचार में आमतौर पर प्रजनन क्षमता कम हो जाती है और कई बार तो प्रजनन क्षमता खत्म भी हो जाती है. ऐसे में महिला पहले ही अपने एग को फ्रीज करा सकती हैं और इलाज के बाद फैमिली प्लानिंग कर सकती हैं.

दिल्ली सरकार लगाएगी 20 लाख फूलों के पौधे

जुलाई के अंत तक महक उठेंगी शहर की सड़कें

दिल्ली सरकार ने सितंबर में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों के तहत राष्ट्रीय राजधानी में 20 लाख फूलों के पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इनमें से 12 लाख पौधे वन एवं वन्य जीव विभाग और बाकी अन्य एजेंसियां लगाएंगी।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सितंबर में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों के तहत राष्ट्रीय राजधानी में 20 लाख फूलों के पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इनमें से 12 लाख पौधे वन एवं वन्य जीव विभाग और बाकी अन्य एजेंसियां लगाएंगी। वन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि फूलों की विभिन्न प्रजातियों पाले पौधों को बड़ी संख्या में लगाया जाएगा। पूरी कवायद जुलाई के अंत तक पूरी कर ली जाएगी।

मेजबानी के तैयार दिल्ली

अधिकारियों ने कहा कि 10 लाख से अधिक आकर्षक गमले वाले पौधे भी राष्ट्रीय राजधानी की सुंदरता में चार चांद लगा देंगे क्योंकि यह जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए तैयार है।

इन स्थानों पर लगेंगे पौधे

दिल्ली विकास विभाग, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद, लोक निर्माण विभाग और दिल्ली नगर निगम सहित केंद्र और दिल्ली सरकार के विभागों की बागवानी शाखाओं को सार्वजनिक स्थानों, गोल चक्करों, प्रमुख चौराहों, फ्लाईओवरों और वर्टिकल ग्रीन्स को सजाने के लिए कहा गया है। विदेशी फूलों के पौधे भ लगाए जाएंगे। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और लुटियंस दिल्ली, इंडिया गेट क्षेत्र और दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के मुख्य स्थल प्रगति मैदान के बीच के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारत ने पिछले साल एक दिसंबर को जी20 की अध्यक्षता संभाली थी। सितंबर 2023 में आयोजित होने वाले शिखर सम्मेलन की बैठकें शुरू हो चुकी हैं। ग्रुप आफ ट्वेंटी (G20) में 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल हैं। इसके सदस्य वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 85 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार के 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व जनसंख्या के लगभग दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आयुर्वेद से मोटापा, मधुमेह और हड्डी की समस्याओं का होगा निदान, कुछ परियोजनाओं का होगा कायाकल्प

व्यक्ति की जीवनशैली और खानपान की आदतों को बदलने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। खासकर पोस्ट कोविड समस्याएं झेल रहे लोगों का यहां शिविर लगाकर निदान किया जाएगा।

नई दिल्ली। निगम की आयुष इकाइयों में आयुर्वेद के माध्यम से मोटापा, मधुमेह और हड्डी से जुड़ी समस्याओं का इलाज होगा। शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक संतुलन भी स्थापित किया जाएगा। व्यक्ति की जीवनशैली और खानपान की आदतों को बदलने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। खासकर पोस्ट कोविड समस्याएं झेल रहे लोगों का यहां शिविर लगाकर निदान किया जाएगा।

आयुर्वेद को चिकित्सा की सबसे प्राचीन व प्रामाणिक उपचार प्रणाली माना जाता है, जो आज के समय में भी उतनी ही प्रासंगिक है। पिछले कुछ सालों में निगम ने राजधानी में आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली को मजबूती से स्थापित करने में सफलता हासिल की है।

निगम ने पहले आयुष विभाग की स्थापना की, जिसके अंतर्गत निगम ने 16 आयुर्वेदिक पंचकर्मा अस्पताल, 10 मधुमेह केंद्र, 44 होम्योपैथिक व

36 यूनानी औषधालय स्थापित किए गए हैं। कुछ समय पहले इन केंद्रों में ओपीडी सेवाएं शुरू की गई हैं। अब इनमें सिद्ध और योग के माध्यम से असाध्य रोगों का इलाज किया जाएगा।

इन केंद्रों में हर्बल गार्डन और नक्षत्र वाटिका विकसित की जाएगी, जिनमें आयुर्वेदिक पौधे लगाए जाएंगे। कोरोना महामारी के दौरान भारी संख्या में लोगों ने अंग्रेजी दवाओं के साथ साथ आयुर्वेदिक उपचार किया। मौजूदा समय आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की ओर युवा पीढ़ी का भी विश्वास बढ़ा है।

निगम को राजस्व और दिल्ली को मिला स्वास्थ्य लाभ

पिछले वित्त वर्ष के दौरान निगम के आयुर्वेदिक अस्पतालों व औषधालयों में करीब 4,55,676 से अधिक रोगियों का इलाज हुआ है। होम्योपैथिक औषधालयों में 2,57,619 से अधिक रोगियों और यूनानी औषधालयों में 1,17,381 से अधिक रोगियों का उपचार किया गया है। पंचकर्मा उपचार के माध्यम से निगम ने 27,22,95 रुपये से अधिक का राजस्व कमाया है। मौजूदा वित्त वर्ष ने निगम अपनी आयुष सेवाओं को और प्रगतिशील बनाने की तैयारी कर रहा है।

इन परियोजनाओं का होगा कायाकल्प

कैर गांव, छावला और शिकारपुर आयुर्वेदिक औषधालय का नवीनीकरण किया जाएगा।

रोगियों को दैनिक जीवन में योग और ध्यान के लाभ सिखाए जाएंगे, रोगियों को सरल योग मुद्राएं सिखाई जाएंगी।

मजनू का टीला, पल्ला और अलीपुर में होम्योपैथिक औषधालय का सुधार किया गया, कंचनपुरी में डिस्पेंसरी बनकर तैयार।

त्रिलोकपुरी और गौतम नगर में होम्योपैथिक औषधालय का नवीनीकरण होगा, बजट आवंटित।

लाजपत नगर-1 आयुर्वेदिक औषधालय का नवीनीकरण और निलोठी जच्चा बच्चा केंद्र में आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक व यूनानी औषधालय निर्माण जारी।

तिलकनगर कॉलोनी में पंचकर्म केंद्र की स्थापना होगी।

यूनानी औषधालयों में इस साल 50 लाख की दवाएं आएंगी।

दिल्ली में अफ्रीकी रसोई की आड़ में करता था नशीले पदार्थ की तस्करी, गिरफ्तार; 1KG से अधिक हेरोइन बरामद

दिल्ली पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने नशा तस्करी मामले में एक नाइजीरियाई मूल के संडे ओकेके उगवोके नामक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से 1.01 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है।

नई दिल्ली। दिल्ली के पश्चिमी जिले की एंटी नारकोटिक्स सेल ने नशा तस्करी मामले में एक नाइजीरियाई मूल के संडे ओकेके उगवोके नामक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से 1.01 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत ढाई करोड़ रुपये है। आरोपित के खिलाफ निहाल विहार थाने में मामला दर्ज किया गया है।

बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेंद्र सिंह ने बताया कि सात अप्रैल को एंटी नारकोटिक्स सेल को सूत्रों से जानकारी मिली थी कि संडे नामक अफ्रीकी मूल का व्यक्ति निलोठी एक्सटेंशन,शिव विहार में अफ्रीकन रसोई चलाता है और उसी की आड़ में वह दिल्ली व दिल्ली एनसीआर में नशा तस्करी का काम भी करता है। जानकारी के आधार पर टीम ने छापेमारी कर आरोपित को उसके घर के पास ही दबोचने में कामयाबी हासिल की। मामले में पुलिस आरोपित को हेरोइन की आपूर्ति करने वाले नाइजीरियाई नागरिक की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

मेडिकल वीजा पर भारत आया था आरोपित

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह जनवरी 2020 में तीन महीने के लिए मेडिकल वीजा पर भारत आया था। यहां चंद्र विहार में रह रहे उसके दोस्त केनेचिकवु ने उसे चंद्र विहार में एक अफ्रीकी रसोई में नौकरी खोजने में मदद की। इन रसोई घरों में अफ्रीकी भोजन और पेय परोसे जाते हैं, जहां काफी संख्या में अफ्रीकी लोग आते हैं। रसोई में काम करते-करते संडे को अफ्रीकियों के बीच नशीले पदार्थ खरीदने व बेचने की जानकारी हो गई। बाद में, उसने शिव विहार में भूतल पर एक फ्लैट किराए पर लिया और एक अफ्रीकी रसोई को स्वतंत्र रूप से संचालित करने लगा। जबकि उसका दोस्त केनेचिक्वु अगस्त 2022 में नाइजीरिया लौट आया था।

नशीली दवाओं को आपूर्तिकर्ता को सौंप भाग जाते है अपने देश

संडे ने बताया कि कई नाइजीरियाई बहुत कम समय के लिए भारत आते हैं। यहां वे नशे की तस्करी करते हैं। दिल्ली व दिल्ली एनसीआर में नशीली दवाओं को आपूर्तिकर्ताओं को सौंपने के बाद वे जल्दी से वापस नाइजीरिया लौट जाते हैं। आरोपित के पास से बरामद हेरोइन को उसने उगोचुकवु नामक एक नाइजीरियाई से खरीदा था। आरोपित इससे पूर्व जिस अफ्रीकी रसोई में काम करता था, वहां उसकी मुलाकात उगोचुकवु से हुई थी।आरोपित मेडिकल वीजा समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से भारत में रह रहा था।आरोपित के पासपोर्ट की भी जांच की जा रही है।

दिल्ली में कोरोना ने बढ़ाई टेंशन: संक्रमण दर 20 फीसदी के करीब, दो मरीजों ने तोड़ा दम; सक्रिय मामले हुए 2331

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के मामले बढ़ने के साथ मौत का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। वहीं संक्रमण दर भी 20 फीसदी के करीब पहुंच गई है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक शुक्रवार को कोरोना के 733 नए मामले सामने आए। वहीं 460 मरीजों को स्वस्थ होने पर छुट्टी दी गई। जबकि दो मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। शुक्रवार को 3678 लोगों की कोरोना की जांच हुई जिसमें 19.93 फीसदी लोग संक्रमित पाए गए। दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मरीज बढ़कर 2331 हो गए हैं। इनमें से 1491 मरीज होम आइसोलेशन में जबकि 91 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। अस्पतालों में भर्ती मरीजों में से सात वेंटीलेटर पर, 54 आईसीयू में और 36 ऑक्सीजन सपोर्ट पर भर्ती हैं।

Delhi LG ने AAP सरकार के अधिकारियों संग की बैठक, पिछली मीटिंग में दिए निर्देशों पर हुई कार्रवाई की ली जानकारी

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को राज्य सरकार के सतर्कता विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने पिछली बैठक में दिए गए निर्देश पर की गई कार्रवाई पर अधिकारियों से जानकारी ली।

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को राज्य सरकार के सतर्कता विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने पिछली बैठक में दिए गए निर्देश पर की गई कार्रवाई पर अधिकारियों से जानकारी ली।

उपराज्यपाल ने पिछले साल लीं बैठक

विभाग में विचार गोष्ठी का आयोजन/डीओवी/सीएस स्तर

एलजी ने सभी विभागों के साथ अंतिम विचार-मंथन सत्र की अध्यक्षता की

जहां तक GNCTD का संबंध है, घूर्णी स्थानांतरण किया जाता है। दिल्ली पुलिस, एमसीडी, एनडीएमसी और डीडीए से अनुपालन रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई।

10 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के प्रमुख अनुबंधों के लिए आईईएम की नियुक्ति के लिए सत्यनिष्ठा समझौते को मंजूरी दे दी गई है और परिपत्र जारी किया जा रहा है

15 इंक्वायरी अथॉरिटीज (आईए) का नया पैनल बनाया गया।

डीओवी स्तर पर आईएएस/पीओ का संवेदीकरण किया गया।

UTCS द्वारा आयोजित आईए और पीओ के लिए दो प्रशिक्षण

औचक निरीक्षण - डीडीआरएस, आरसीएस, डीपीसीसी, आदि आयोजित किए गए।

डीओवी में ई-ऑफिस शुरू हुआ

ई-ऑफिस के माध्यम से सभी सतर्कता स्थिति फाइलें

पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा साद मिया खान ने बताया कि संजय शर्मा की पत्नी किरण शर्मा ने शुक्रवार को अमेरिका से संपर्क पर पुलिस को शिकायत दी थी।

ग्रेटर नोएडा में अमेरिकन NRI से 2.75 करोड़ की ठगी, तंत्र-मंत्र से बीमारी ठीक करने का दिया था झांसा

तंत्र मंत्र के नाम पर अमेरिकन एनआरआई से दो करोड़ 75 लाख रुपये एठने का मामला सामने आया है। रुपये एठने वाले बाबा मोहम्मद फैजान के साथ तीन अन्य आरोपित विशाल हिमांशु व एक महिला आरोपित मोनी उर्फ मोना को गिरफ्तार कर लिया है।

ग्रेटर नोएडा। तंत्र मंत्र के नाम पर अमेरिकन एनआरआई से दो करोड़ 75 लाख रुपये एठने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की पत्नी की शिकायत पर तंत्र-मंत्र के नाम पर रुपये एठने वाले बाबा मोहम्मद फैजान के साथ तीन अन्य आरोपित विशाल, हिमांशु व एक महिला आरोपित मोनी उर्फ मोना को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक लैपटाप, पीड़ित की दो चैक बुक, पीड़ित के हस्ताक्षरित ढाई-ढाई लाख रुपये के दो चैक, मनोरंजन बैंक के 1366 नोट व चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा साद मिया खान ने बताया कि संजय शर्मा की पत्नी किरण शर्मा ने शुक्रवार को अमेरिका से संपर्क पर पुलिस को शिकायत दी थी।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पति दिल की बीमारी से पीड़ित है। करीब एक साल पहले संजय शर्मा दिल की बीमारी का इलाज कराने के लिए ग्रेटर नोएडा आए थे। वह मूलरूप से पीड़ित मूलरूप से अमृतसर पंजाब के रहने वाले हैं और वर्तमान में ग्रेटर नोएडा स्थित एनआरआई सिटी सोसायटी में रहते हैं।

आरोपितों से उनकी मुलाकात अभियुक्त हिमांशु व उसकी पत्नी मोनी उर्फ मोना से गार्डन गलेरिया स्थित क्लब में हुई थी। संजय शर्मा ने अपनी हार्ट की बीमारी के बारे में हिमांशु को बताया। हिमांशु व उसकी पत्नी ने विश्वास दिलाया कि उनके गुरूजी मौहम्मद फैजान जो मुरादाबाद के रहने वाले हैं, वह उन्हें ठीक कर सकते हैं। उनके पास तंत्र मंत्र की दैवीय शक्तियां है।

संजय शर्मा ने बताया कि उन्होंने उनकी बात पर विश्वास कर लिया। और उन्हें ग्रेटर नोएडा स्थित अपने घर का पता दे दिया। कुछ दिन बाद अप्रैल 2022 को हिमांशु उसकी पत्नी मोना अपने गुरू मौहम्मद फैजान व उसकी पत्नी जोहा व विशाल संजय शर्मा के घर आ गए। तंत्र मंत्र का प्रपंच करके संजय शर्मा को फंसाकर एक कमरे में बंद कर दिया। फैजान ने अपनी निगरानी में संजय शर्मा को रखा।

आरोप है कि आरोपितों ने अप्रैल 2022 से लेकर फरवरी 2023 तक करीब 2.75 करोड़ रुपये ट्रांजेक्शन करा लिए। इसके साथ ही 35 हजार डालर मूल्य का रुपये नगद दिए गए। कुछ दिनों पहले कैलिफोर्निया अमेरीका में रह रही संजय की पत्नी किरण शर्मा को बातचीत के दौरान ठगी का अहसास हुआ।

किरण शर्मा ने शुक्रवार को अमेरिका से नोएडा पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने मुरादनगर के रहने वाले मुख्य आरोपित मौहम्मद फैजान, खोड़ा कॉलोनी के रहने वाले हिमांशु भाटी उसकी पत्नी मोनी उर्फ मोना भाटी व अमरोहा के रहने वाले विशाल के रूप में हुई है।

आरोपित फैजान मौजूदा समय में ग्रेटर नोएडा की एनआरआई सिटी सोसायटी में रह रहा था। जबकि हिमांशु व उसकी पत्नी दिल्ली के मंडावली में रह रहे थे।

अमेरिका में ट्रांसपोर्टर है संजय शर्मा

मूलरूप से पंजाब के रहने वाले किरण शर्मा व संजय शर्मा दोनों का अमेरिका में ट्रांसपोर्ट का बिजनेस हैं। वह एक साल पहले ग्रेटर नोएडा आए थे। उनका दिल्ली की एक अस्पताल में भी ईलाज चल रहा है। संजय शर्मा की पत्नी किरण शर्मा व उनके तीन बच्चे अमेरिका में ही रहते हैं।

ओल्ड रेलवे रोड पर वाहनों की आवाजाही 15 दिनों तक बंद

गुरुग्राम। ओल्ड रेलवे रोड पर अगले 15 दिनों तक वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई है। इस रोड पर नई बस्ती के सामने सीवर का एक चैंबर धंस गया है। इसकी मरम्मत के लिए नगर निगम ने यातायात पुलिस से रोड पर वाहनों की आवाजाही बंद बंद करने का अनुरोध किया था।

निगम के अनुरोध पर शुक्रवार की सुबह से यातायात पुलिस ने इस रोड पर वाहनों का आवागमन रोक कर न्यू कॉलोनी, कॉलोनी मोड़, रेलवे स्टेशन और लक्ष्मण विहार, राजेंद्र पार्क, दौलताबाद फ्लाईओवर की ओर जाने वाले वाहनों के लिए रूट डायवर्जन प्लान जारी कर रूट को डायवर्ट कर दिया है। यातायात पुलिस ने आमजन की सहूलियत के लिए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सुबह सवेरे ही इसकी सूचना अपटेड कर दी थी।

सूचना जारी करने के चंद समय बाद ही नई बस्ती के पास बैरिकेट लगाकर रोड को बंद कर दिया। जैसे ही रोड बंद हुआ, इस ओर जाने वाले वाहन चालकों को कुछ समझ नहीं आया, लेकिन मौके पर मौजूद यातायात पुलिस के जवानों ने रूट डायवर्जन की जानकारी देकर वाहनों को नए रूट की ओर मोड़ दिया। जिससे सुबह कुछ समय के लिए सोहना चौक, मस्जिद चौक, सोहना अड्डा चौक पर वाहनों की रेलमपेल रही। सोहना चौक पर सोहना अड्डा पर ट्रैफिक सिग्नल होने के कारण भी वाहन चालकों को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा। काफी देर तक इन दोनों चौराहों पर वाहनों की गहमागहमी रही, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही व्यवस्थाओं में सुधार होता गया।

निगम का दावा, चार से पांच दिन में ठीक कर देंगे : यातायात पुलिस ने अपनी एडवाइजरी में ओल्ड रेलवे रोड पर 15 दिन के लिए वाहनों की आवाजाही बंद करने की सूचना जारी की है, लेकिन निगम का दावा है कि वह चार से पांच दिन में ही समस्या को दुरुस्त कर देगा। निगम के मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) राधेश्याम शर्मा के अनुसार काफी दिनों से सीवर चैंबर से पानी रिसाव हो रहा था। लोग भी इसकी शिकायत कर रहे थे, लेकिन मुख्य सड़क पर होने के कारण यातायात को रोकना जरूरी था। इसलिए इसे ठीक करने में थोड़ा बिलंब हुआ। उन्होंने कहा कि इस रोड पर वाहनों का दबाव भी अधिक है। यातायात पुलिस से लिखित में अनुरोध किया था।

वीकेंड के कारण चुना शुक्रवार का दिन : नगर निगम ने पूरे योजनाबद्ध तरीके से चैंबर की मरम्मत का कार्यक्रम तय किया। बृहस्पतिवार को हनुमान जयंती की छुट्टी पर निगम ने अपनी सभी तैयारियां मुकम्मल की। शुक्रवार को भी छुट्टी रही, इसलिए निगम ने शुक्रवार से मरम्मत शुरू कर दी। शनिवार और रविवार की छुट्टी का भी निगम पूरा लाभ उठाना चाहता है। छुट्टी के कारण इस सड़क पर वाहनों का दबाव कम रहता है। अन्य मार्गों पर रूट डायवर्जन के कारण भी वाहन चालकों को कम दिक्कत होगी।

यह है यातायात पुलिस की एडवाइजरी

ओल्ड रेलवे रोड पर सीवेज-वे, टैंक का लेंटर टूट गया है और इसे ठीक होने में 15 दिन लगेंगे। इसलिए मस्जिद चौक सदर बाजार के पास ओल्ड रेलवे रोड को मरम्मत के लिए बंद कर दिया गया है। जनता को सलाह दी जाती है कि हरीश बेकरी ओल्ड रेलवे रोड के पास सेठी चौक या जेल चौक से भूतेश्वर मंदिर से पटौदी चौक तक नई कॉलोनी या रेलवे रोड की ओर अपने गंतव्य के लिए डायवर्ट रूट लें।

इनसाइड

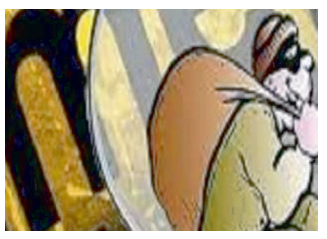

ग्राहक बनकर आए बदमाशों ने महिला दुकानदार से चेन लूटी

मोदीनगर। भूपेंद्रपुरी कॉलोनी में बाइक सवार बदमाशों ने शुक्रवार दोपहर ग्राहक बनकर महिला दुकानदार से सोने की चेन लूट ली। पीड़िता ने शोर भी मचाया गया, मगर बदमाश फरार हो गए। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने कांबिंग की, लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा। भूपेंद्रपुरी कॉलोनी निवासी पवन गुप्ता का मकान ही किराना स्टोर है। बताया गया कि शुक्रवार दोपहर उनकी पत्नी मंजू लता दुकान पर बैठी हुई थीं। इसी बीच बाइक सवार दो बदमाश ग्राहक बनकर पहुंचे और कुछ सामान मांगा। मंजू लता जैसे ही सामान देने लगी तभी बदमाशों ने झपटा मारकर उनके गले से सोने की चेन लूट ली। बदमाशों ने बाइक दुकान से थोड़ी दूरी पर खड़ी की हुई थी, घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश बाइक से भाग निकले। सूचना के बाद एसीपी एसीपी रितेश त्रिपाठी व एसएचओ भानुप्रताप सिंह ने मौके पर पहुंचकर मामले की पड़ताल की। एसीपी ने बताया कि पांच टीमों का गठन कर दिया गया है। रिपोर्ट दर्ज कर शीघ्र ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

राहुल-दीपमाला केस: जहर से नहीं, पीट-पीटकर की गई राहुल की हत्या, परिजनों ने मृतक प्रेमिका पर लगाया बड़ा आरोप

परिजनों ने बताया कि ग्रेजुएशन के बाद राहुल अपनी प्रेमिका दीपमाला के साथ शादी करना चाहता था लेकिन उसकी प्रेमिका दीपमाला चाहती थी कि राहुल गाजियाबाद में ही रह कर कोई काम करे।

बुलंदशहर। गाजियाबाद के गांव घूकना में प्रेमिका की हत्या कर खुद जहर खाकर जान देने वाले राहुल का शव शुक्रवार देर शाम बुलंदशहर के ककोड़ स्थित गांव पहुंचा। जहां परिजनों ने प्रेमिका के परिजनों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राहुल की पीट कर हत्या की गई है। उसके पिता बार-बार फफक कर बेसुध हो रहे थे। देर शाम शव गांव पहुंचने के बाद गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

ककोड़ थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर जाट निवासी मृतक राहुल चौधरी के पिता रविकरण व अन्य परिजनों ने बताया कि राहुल का बड़ा भाई प्रवेश गाजियाबाद में शीशे का कारोबार करता है। करीब पांच वर्ष पूर्व राहुल ने गाजियाबाद के एक कॉलेज से बीए किया था।

बताया गया कि उसी दौरान राहुल की गाजियाबाद के घूकना निवासी दीपमाला से मुलाकात हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए थे। दोनों के इस प्रेम प्रसंग के बारे में परिजनों को भी जानकारी थी। करीब दो वर्ष पूर्व रविकरण ने अपनी सबसे छोटी पुत्री का विवाह किया था। इसके लिए उन्होंने अपनी जमीन का कुछ हिस्सा भी बेच दिया था।

उसी दौरान राहुल ने दीपमाला के परिजनों को जरुरत पड़ने पर करीब पांच से छह लाख रुपये भी दिए थे। जो कि जल्द ही वापस देने की बात हुई। लेकिन, उन्होंने वह रुपये वापस नहीं किए थे। परिजनों ने दीपमाला के परिजनों पर और भी आरोप लगाए हैं। साथ ही आशंका जताई है कि हो सकता है रुपये वापस न देने को लेकर दीपमाला के परिजनों ने ही इस वारदात को अंजाम दिया है। उनके पुत्र की भी पीट-पीट कर हत्या कर दी गई है।

गाजियाबाद में ही रहो, तब करूंगी शादी

परिजनों ने बताया कि ग्रेजुएशन के बाद राहुल अपनी प्रेमिका दीपमाला के साथ शादी करना चाहता था लेकिन उसकी प्रेमिका दीपमाला चाहती थी कि राहुल गाजियाबाद में ही रह कर कोई काम करे। उसने राहुल से कहा था कि जब वह गाजियाबाद में रहना शुरू कर देगा, तभी वह उससे शादी करेगी। इसके लिए राहुल ने अपने भाई के साथ काम भी शुरू कर दिया था। लेकिन, उसमें सफल नहीं हो सका था। वह अपने पिता के साथ खेतीबाड़ी भी करता था। कभी-कभी अपने भाई के पास गाजियाबाद चला जाया करता था।

सभी भाई-बहनों की हो चुकी है शादी

मृतक राहुल कुल सात भाई बहन हैं। जिनमें पांच बहनें व दो भाई हैं। राहुल सभी भाई-बहनों में छठे नंबर का था। भाई प्रवेश समेत सभी बहनों की शादी हो चुकी है। लेकिन, अभी तक राहुल का विवाह नहीं हुआ था। परिजन उसके लिए लड़की भी देखना चाहते थे। लेकिन, वह दीपमाला से ही शादी करने की बात पर अड़ा हुआ था।

बीते काफी समय से रह रहा था परेशान

परिजनों का कहना है कि राहुल बीते काफी समय से अवसाद में चल रहा था। घर में भी वह चुपचाप ही रहता था। वारदात से करीब दो-तीन दिन पूर्व ही वह गाजियाबाद अपने भाई के पास जाने की बात कह कर निकला था।

मेडिकल कराने के लिए गोद में बच्चा लिए भटकती रही महिला कांस्टेबल

गाजियाबाद। पति के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद गुजरात से बरामद महिला की चिकित्सकीय जांच कराने के लिए एक महिला कांस्टेबल गोद में बच्चा लिए पूरे दिन भटकती रही। उपमुख्य चिकित्साधिकारी के अनुरोध पर महिला अस्पताल में महिला की मेडिकल जांच हो सकी।

क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में एक व्यक्ति ने पत्नी के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने महिला को तीन दिन पहले गुजरात से बरामद कर गाजियाबाद ले आई। उसे अदालत में पेश करने से पहले मेडिकल जांच के लिए महिला सिपाही की अभिरक्षा में महिला को भेजा गया। महिला सिपाही अपने छह माह के बच्चे को कैरियर बैग में लेकर शुक्रवार को पहले महिला अस्पताल पहुंची। वहां स्थाई चिकित्सक नहीं होने से मेडिकोलीगल करने से मना कर दिया गया। इसके बाद महिला सिपाही महिला को लेकर संयुक्त अस्पताल पहुंची। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना संजय नगर अस्पताल के लिए अधिकृत नहीं होने से इमरजेंसी से ही वापस भेज दिया गया। इसके बाद दोनों सीएमओ कार्यालय पहुंची। वहां पर उपमुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. चरन सिंह को बताया कि शुक्रवार को मेडिकोलीगल कराने के बाद महिला को अदालत में पेश नहीं किया गया तो तीन दिन तक उसे थाने में ही रहना पड़ेगा। इसके बाद डॉ चरन सिंह ने महिला अस्पताल की सीएमएस से फोन पर वार्ता की और पीड़िता को वहां भेज दिया।

महिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. सुमाता तालिब ने बताया कि डॉक्टरों की कमी से कई बार मरीजों के इलाज में भी परेशानी आती है। सीएमओ से संबद्ध चिकित्सक से महिला का मेडिकोलीगल करा दिया गया है।

नमाज पढ़ने गए युवक की दुकान से दस मोबाइल चोरी

साहिबाबाद। पसौंडा में सुनहरी मस्जिद के पास बृहस्पतिवार दोपहर नमाज पढ़ने गए दुकानदार रोहिल की दुकान से चोरों ने दस फोन चोरी कर लिए। चोरों ने दिनदहाड़े दुकान का शटर उठाकर चोरी की। पुलिस को दी शिकायत में रोहिल ने बताया कि वह रमजान के दिनों में नियमानुसार नमाज पढ़ते हैं। शुक्रवार दोपहर को काम करने की वजह से उन्हें मस्जिद जाने में देर हो गई। इस वजह से वह दुकान का शटर डालकर चले गए। इस बीच चोरों ने शटर उठाकर चोरी कर ली। जांच करने पर पता चला कि चोरों ने गल्ले से भी नकदी चोरी करने का प्रयास किया लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। टीलामोड़ थाना पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज किया है।

कंटेनर की डिलीवरी कराकर 9 लाख हड़पे

साहिबाबाद। टीलामोड़ थाने में कंटेनर फेब्रिकेशन का काम करने वाले विकास ने अशोक पाटिल उर्फ सुजीत पाटिल के खिलाफ 9 लाख 50 हजार रुपये हड़पने का मुकदमा दर्ज कराया है। विकास का कहना है कि पिछले दिनों अशोक पाटिल उर्फ सुजीत का उनके पास फोन आया था। उसने खुद को कंपनी का मालिक बताया और हरियाणा के सोनीपत में तीन कंटेनर की डिलीवर कराने के लिए कहा। आरोपी ने उनके 9 लाख 55 हजार 800 रुपये नहीं दिए। अब उसने फोन भी बंद कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिश्तेदार के फ्लैट में छुपा भोजपुरी सिंगर, वाराणसी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद। वाराणसी पुलिस ने नंदग्राम थाना क्षेत्र की चार्म कैसल सोसायटी से बृहस्पतिवार रात भोजपुरी सिंगर समर सिंह को गिरफ्तार किया है। वह भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की आत्महत्या के मामले में फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को सीजेएम कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे 24 घंटे की ट्रांजिट रिमांड पर भेजा गया है। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे एक फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में वाराणसी गई थीं। वह सारनाथ होटल में रुकी थीं। 26 मार्च को उनका शव होटल के कमरे में फंदे पर लटका मिला था। मृतका की मां ने सिंगर व प्रोड्यूसर समर सिंह और उसके भाई संजय सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोपियों पर ब्लैकमेल करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। वाराणसी पुलिस तभी से समर सिंह की तलाश में थी।

13वीं मंजिल से किया गिरफ्तार :

वाराणसी पुलिस देर रात नंदग्राम थाने पहुंची। उन्होंने सिंगर के चार्म्स कैसल सोसायटी की 13वीं मंजिल पर अपने एक रिश्तेदार के फ्लैट में छुपे होने की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। वाराणसी और गाजियाबाद पुलिस ने संयुक्त रूप से छापा मारकर उसे हिरासत में ले लिया।

मीडिया को नहीं दिया बयान :

पुलिस आरोपी को नंदग्राम थाने लेकर पहुंची। जहां मीडिया कर्मियों ने अभिनेत्री से संबंध, घटना और आरोपों के बारे में सवाल पूछे लेकिन, समर सिंह ने कोई मीडिया को कोई जवाब नहीं दिया। वह अंगोछे में मुंह छुपाए जीप में बैठकर चला गया।

मेडिकल के बाद कोर्ट भेजा :

पुलिस ने आरोपी भोजपुरी सिंगर का जिला अस्पताल में मेडिकल कराया, जिसके बाद सीजेएम कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 24 घंटे की ट्रांजिट रिमांड पर भेज दिया। पुलिस उसे लेकर वाराणसी रवाना हो गई।

अब रोडवेज अधिकारियों से शिकायत कर सकेंगे यात्री

साहिबाबाद। बसों में अब विवाद हुआ या कोई भी समस्या आने पर यात्री रोडवेज के अधिकारियों को तुरंत सूचित कर सकेंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए रोडवेज की सभी बसों में अधिकारियों के सीयूजी नंबर लगाए जाएंगे। बसों में बढ़ते विवादों के मद्देनजर परिवहन निगम ने बसों में अधिकारियों के नंबर लगाए जाने के दिशा निर्देश जारी किए हैं। एआरएम शिव बालक ने बताया कि सभी अधिकारियों से सीयूजी नंबर प्लेट प्रिंट होकर आ चुके हैं, सोमवार से बसों में लगाना शुरू कर दिया जाएगा। गाजियाबाद रीजन में लोनी, हापुड़, बुलंदशहर, कौशांबी, खुर्जा, सिकंदराबाद, साहिबाबाद गाजियाबाद सभी अधिकारियों के सीयूजी नंबर जारी किए गए हैं। चालक और कंडक्टर की मनमानी की सूचना भी इन नंबरों के माध्यम से अधिकारियों को दी जा सकेगी।

15 दिन में पूरा करना है काम

परिवहन निगम ने सभी रीजन के आरएम और एआरएम को यह आदेश दिया है कि पंद्रह दिन के अंदर बसों में स्टीकर के जरिये या पेंट के जरिये सभी नंबर दर्ज किए जाएं। कौशांबी डिपो के अंदर करीब 900 बसें आती हैं। इन सभी बसों में यह सीयूजी नंबर दर्ज करवाया जाना है। पूरे गाजियाबाद रीजन में अलग-अलग डिपो से रोजाना करीब 2000 बसें आती हैं।

अधिकारियों के यह सीयूजी नंबर बसों में किए जाएंगे चस्पा

गाजियाबाद रीजन
आरएम - 8726005035
एसएम- 8726005036
एआरएम (एफ) (गाजियाबाद) - 8726005037
एआरएम (पी) (गाजियाबाद)- 8726005038
एआरएम(खुर्जा)- 8726005039
एआरएम (बुलंदशहर)- 8726005040
एआरएम(लोनी)- 8726005041
एआरएम(हापुड़)-8726005042
एआरएम(सिकंदराबाद)- 8726005043
एआरएम (साहिबाबाद)- 8726005044
एआरएम (कौशांबी)- 8726005045
एआरएम (गाजियाबाद)- 8726005046

पूर्व में इन रूटों पर हो चुकी है घटनाएं

केस एक- लखनऊ के आलमबाग टर्मिनल पर बुलंदशहर रोडवेज की बस ने डिपो परिसर में इस साल 23 मार्च को एक व्यक्ति को कुचल दिया था। मौके पर मौजूद वरिष्ठ लिपिक ने घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को नहीं दी। इस मामले में घायल का इलाज भी नहीं किया गया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। परिवहन निगम ने कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ लिपिक को अग्रिम आदेशों तक निलंबित कर दिया।

केस दो- कौशांबी बस डिपो की एक बस ने 19 मार्च को डिपो से बाहर निकलते हुए एक यात्री के पैर पर बस चढ़ा दी थी। डिपो पर घटना होने के बावजूद रोडवेज अधिकारियों की इसकी जानकारी नहीं हो सकी थी और अखबार के माध्यम से उन्हें मालूम हुआ था।

अब तक लॉन्च हुई ये दमदार कारें जो कई शानदार फीचर्स से लैस

इस साल ब्रेजा को सीएनजी ऑप्शन भी मिलेगा। अब तक भारतीय बाजार में कई दमदार कारें लॉन्च हो गई है। जो लोगो के बजट में भी है। इस लिस्ट में शामिल – Grand i10 Nios Maruti Brezza CNG Tata Updated Harrier Safari भी है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में एक से बढ़कर एक दमदार कारें लॉन्च हुई है। ये साल कार के मामले में अब तक काफी दमदार रहा है , कई बड़ी वाहन निर्माता कंपनियों ने इस साल अपनी कई कारों को लॉन्च किया। जिसमें लग्जरी हैचबैक से लेकर इलेक्ट्रिक कार तक शामिल है।

Maruti Grand Vitara CNG

भारतीय बाजार में इस साल जनवरी में सीएनजी किट के ऑप्शन के साथ आने वाली ये पहली एसयूवी बन गई। मारुति मिड - स्पेक डेल्टा और जेटा वेरिएंट पर सीएनजी किट दे रही है। इसकी कीमत 12.85 लाख रुपये से शुरू होती है। ग्रैंड विटारा सीएनजी 1.5-लीटर माइल्ड-हाइब्रिड पेट्रोल इंजन के साथ आती है, लेकिन 88PS और 121.5Nm का पीक टॉर्क जनरेट करती है। इसे 5 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है।

Maruti Brezza CNG

भारतीय बाजार में इस कार की कीमत 9.14 लाख रुपये से शुरू होती है। इस साल ब्रेजा को सीएनजी ऑप्शन भी मिलेगा। इसे कंपनी ने मार्च में लॉन्च किया था। यह तीन वेरिएंट - LXi, VXi और ZXi में आती है। Brezza CNG में वही 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है।

Tata Updated Harrier/ Safari

टाटा हैरियर और सफारी के रेड एडिशन को लॉन्च किया गया है, इसे 2023 ऑटो एक्सपो में पेश किया गया था। कॉस्मेटिक बदलावों के अलावा, दोनों को कई दमदार फीचर्स मिलते हैं। जिनमें एक बड़ी टचस्क्रीन, ADAS फीचर मिलता है। जबकि दोनों एसयूवी का पावरट्रेन अब बीएस6 2.0 के अनुरूप भी है।

Hyundai Updated Alcazar

भारतीय बाजार में इस कार की कीमत 16.75 लाख रुपये से शुरू होती है। Hyundai ने इसमें नए 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल किया है। इससे पहले की पेशकश की गई 159 PS 2-लीटर पेट्रोल यूनिट को बदल दिया गया। जबकि सिक्स-स्पीड एमटी को बरकरार रखा गया है, नई टर्बो यूनिट पुराने सिक्स-स्पीड ऑटोमैटिक के बजाय सात-स्पीड डीसीटी का इस्तेमाल किया गया है।

Grand i10 Nios And Aura

भारतीय बाजार में इस कार की कीमत कीमत 5.69 लाख रुपये और 6.30 लाख रुपये से शुरू होती है। जनवरी 2023 में Hyundai ने फेसलिफ्टेड Grand i10 Nios और Aura को भारत में लॉन्च किया। इसमें 1.2-लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है।

इनसाइड

पिछले महीने Ather ने बेचे 1,754 इलेक्ट्रिक स्कूटर्स

पहले वाले मॉडल में 4 मोड मिलते थे वहीं न्यू जेनरेशन एथर 450 में अब कुल पांच राइडिंग मोड मिलते हैं जिसमें वॉर्प स्पोर्ट राइड इको और स्मार्ट इको राइडिंग मोड शामिल हैं। इको मोड पर इसकी टॉप स्पीड 50-55 के बीच आ रही है।

नई दिल्ली। Ather इलेक्ट्रिक स्कूटर को इंडियन इलेक्ट्रिक मार्केट में अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। मार्च महीने में एथर एनर्जी कुल 11,754 इलेक्ट्रिक स्कूटर्स को बेचने में कामयाब रही। इसके अलावा, फाइनेंसियल ईयर 2022-23 में कंपनी ने कुल 82,146 यूनिट्स ईवी की बिक्री की। एथर इलेक्ट्रिक स्कूटर ने साल के शुरुआत में चार नए कलर को जोड़ा गया है, जिसमें Lunar Grey, Cosmic Black, True Red, Salt Green शामिल है। एथर का कहना है कि 450X गूगल मैप्स के साथ दुनिया का पहला स्कूटर है। एथर अब वेक्टर मैप पेश कर रहा है जो ज़ूमिंग, रोटेटिंग, परिप्रेक्ष्य परिवर्तन और यहां तक कि लेयरिंग को भी सक्षम बनाता है। Ather इलेक्ट्रिक स्कूटर में जो गूगल मैप है उसको और भी ज़्यादा एडवांस कर दिया गया है। ग्राहक अब इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को चलाते समय लाइव ट्रैफिक नेविगेशन का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा, टक स्क्रीन को फ़ोन के तर्ज पर चेंज किया गया है। Ather इलेक्ट्रिक स्कूटर की सीट को और भी बेहतरीन बना दिया गया है।

पुरानी वाली एथर से काफी एडवांस हैं नई वाली स्कूटर

पहले वाले मॉडल में 4 मोड मिलते थे, वहीं न्यू जेनरेशन एथर 450 में अब कुल पांच राइडिंग मोड मिलते हैं, जिसमें वॉर्प, स्पोर्ट, राइड, इको और स्मार्ट इको राइडिंग मोड शामिल हैं। इको मोड पर इसकी टॉप स्पीड 50-55 के बीच आ रही है। वहीं इसके Warp मोड में मैक्सिमम पॉवर आउटपुट मौजूदा 6 kW (8.1 hp) से बढ़कर 6.4 kW (8.7 hp) हो गया है। इससे इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की टॉप स्पीड पुराने मॉडल की तुलना में थोड़ा अधिक हो गई है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में पहले बैटरी पर 3 साल की वारंटी मिलती थी। कंपनी ने इसे बढ़ा कर 5 साल/60,000 किलोमीटर कर दिया गया है। यह ऑफर पुराने ग्राहकों को भी फ्री में मिलेगा।

TVS बाइक से लेकर इलेक्ट्रिक स्कूटर तक, पिछले महीने खूब बिकीं टीवीएस की टू-व्हीलर्स

TVS Sales Report March 2023 कंपनी ने कहा कि उन्होंने टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर की बिक्री मार्च 2023 में 15364 यूनिट्स की। जो कि एक साल पहले सामान अवधि में 1799 इकाई की बिक्री हुई थी।

नई दिल्ली। TVS ने पिछले महीने 3,17,152 मोटरसाइकिलों को बेचने में कामयाब रही। जो मार्च 2022 में बेची गई 3,07,954 बाइक्स की तुलना में 3 प्रतिशत अधिक हैं। टीवीएस मोटर कंपनी ने एक बयान में कहा कि कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने 5 प्रतिशत बढ़कर 3,07,559 इकाई हो गई, जबकि मार्च 2022 में यह 2,92,918 इकाई थी।

घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री

TVS घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने 2,40,780 इकाई रही, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,96,596 इकाई थी, जो 22 प्रतिशत अधिक है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की भी रही डिमांड

कंपनी ने कहा कि उन्होंने टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर की बिक्री मार्च 2023 में 15,364 यूनिट्स की। जो कि एक साल पहले सामान अवधि में 1,799 इकाई की बिक्री हुई थी।

थ्री व्हीलर्स की बिक्री भी गिरावट दर्ज

मार्च 2022 में 15,036 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने तिपहिया वाहनों की बिक्री 9,593 इकाई रही। मार्च 2023 में कुल निर्यात भी कम होकर 75,037 यूनिट रहा, जबकि मार्च 2022 में यह 1,09,724 यूनिट था।पिछले महीने दोपहिया वाहनों का निर्यात 66,779 इकाई रहा, जो एक साल पहले 95,962 इकाई था।

TVS Apache RTR 160 2v राइडिंग एक्सपीरिएंस

अगर आप डेली सिटी में ट्रैवल करते हैं और आपको कई बार ट्रैफिक का सामना करना पड़ता है तो आपके लिए बाइक बेस्ट है। वहीं लॉन्ग ट्रिप के लिए ये बाइक चुनते हैं तो हो सकता है आपको थोड़ी समस्या हो सकती है। बाइक की कंट्रोलिंग मुझे काफी अच्छे लगी, पिकअप भी ठीक था, लेकिन अर्बन मोड से जब आप स्पोर्ट्स मोड में चेंज करते हैं तो तुरंत वो स्पोर्ट्स मोड वाली फील नहीं आती है। हालांकि, कुछ सेकेंड दूर चलने के बाद आपको स्पोर्ट मोड वाली फिलिंग मिल जाएगी।

80-85 की स्पीड जब मैं क्रॉस किया तो बाइक थोडा सी लहराई (वाइब्रेट की)। हालांकि, इससे राइडिंग पर कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। मेरी हाइट 5 फीट 6 इंच है तो मेरे हिसाब से मुझे इसको हैंडल करने, बैठने, ट्रैफिक के दौरान चालाने में कोई परेशानी नहीं हुई। पहले वाली बाइक की तुलना में इस बाइक के वजन को 2 किलो हल्का कर दिया गया है। आप इसपर बैठ कर अपने हिसाब से आगे पीछे बाइक को बैठे-बैठे कर सकते हैं।

Royal Enfield ने मार्च के महीने में किया 72,235 यूनिट्स की सेल, कंपनी करेगी 350 सीसी मोटरसाइकिल में विस्तार

Royal Enfield की मार्च की सेल्स रिपोर्ट आ गई है। वाहन निर्माता कंपनी की सेल कुल सात प्रतिशत बढ़ गई है। जबकि एक साल पहले के महीने में यह 58477 इकाई थी जिसमें 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड लोगों के दिलो पर खासतौर से युवाओं को अधिक पसंद आती है। वाहन निर्माता कंपनी ने मार्च के महीने में 72,235 यूनिट्स की सेल की है। कंपनी की सेल कुल सात प्रतिशत बढ़ गई है। इसकी तुलना पिछले साल के इसी महीने से करें तो कंपनी ने 67,677 यूनिट्स की सेल की थी। कंपनी ने अपने एक बयान में कहा कि समीक्षाधीन महीने में घरेलू बिक्री 59,884 इकाई रही, जबकि एक साल पहले के महीने में यह 58,477 इकाई थी, जिसमें 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए, रॉयल एनफील्ड ने कहा कि उसने 8,34,895 मोटरसाइकिलों की रिकॉर्ड कुल बिक्री के साथ 39 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। वित्त वर्ष 22 में कंपनी की बिक्री 6,02,268 यूनिट रही। वित्त वर्ष 2022 में 81,032 यूनिट की तुलना में निर्यात भी वित्त वर्ष 2023 में 1,00,055 यूनिट के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर था, जो 23 प्रतिशत अधिक था।

350 सीसी वाली मोटरसाइकिल पर कंपनी कर रही है काम

आपको बता दें, रॉयल एनफील्ड अपनी 350 सीसी लाइनअप पर काफी तेजी से काम कर रही है। कंपनी की 350 सीसी वाली मोटरसाइकिल सबसे अधिक बिकती है। यही वजह है कि भारी डिमांड को देखते हुए कंपनी अपने इस सेगमेंट के पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है। रॉयल एनफील्ड की नई 350 सीसी बाइक का इंतजार कर रहे हैं तो आपके लिए खुशखबरी है। कंपनी जल्द ही इन 350सीसी बाइक्स को लॉन्च कर सकती है।

ROYAL ENFIELD SHOTGUN 350 BOBBER

भारतीय बाजार में कंपनी की आने वाली बाइक की लिस्ट में ROYAL ENFIELD SHOTGUN 350 BOBBER बाइक का नाम भी शामिल है। इसको लेकर ये उम्मीद किया जा रहा है कि कंपनी इसे जल्द लॉन्च कर सकती है। नई रॉयल एनफील्ड शॉटगन 350 में 346cc, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड इंजन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

Tata Motors की हुडंई से कम बिकीं कारें, इन सेगमेंट में हुई अच्छी ग्रोथ

टाटा मोटर्स पीवी की बिक्री मार्च 2023 में 44044 इकाइयों की बिक्री के साथ टाटा मोटर्स की कारों की बिक्री काफी हद तक नेक्सॉन और पंच की अधिक डिमांड के कारण उभरी हैं। ये दोनों वाहन ब्रांड के लिए लगातार अच्छा वॉल्यूम बना रहे हैं।

नई दिल्ली। Tata Motors Hyundai से दूसरा स्थान छीन लिया था, लेकिन अधिक समय तक इस पर अपना कब्जा नहीं जमा पाई है। मार्च 2023 के महीने में, Tata Motors की बिक्री 44,044 यूनिट्स रही, जबकि Hyundai 50,600 यूनिट्स पर लगभग 6K यूनिट्स की बढ़त बनाने में कामयाब रही। हालांक, Tata ने नई कार लॉन्च करने की योजना बनाई गई है, जो आने वाले महीनों में अधिक बिक्री की उम्मीद करती है।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स

टाटा मोटर्स पीवी की बिक्री मार्च 2023 में 44,044 इकाइयों की बिक्री के साथ, टाटा मोटर्स की कारों की बिक्री काफी हद तक नेक्सॉन और पंच की अधिक डिमांड के कारण उभरी हैं। ये दोनों वाहन ब्रांड के लिए लगातार अच्छा वॉल्यूम बना रहे हैं। मार्च 2022 में टाटा द्वारा बेची गई 42,293 इकाइयों की तुलना में, 4.14% YoY वृद्धि दर्ज की गई थी। फरवरी 2023 में बेची गई 42,865 इकाइयों के विपरीत, टाटा मोटर्स ने 2.75% MoM वृद्धि देखी।

टाटा मोटर्स घरेलू बिक्री

मार्च 2023 में Tata Motors ने कुल 89 हजार से अधिक गाड़ियों की बिक्री की है। यह 3 फीसद YoY ग्रोथ है। CV की घरेलू बिक्री 45 हजार यूनिट रही, जो 2 फीसद YoY बढ़ रही है। सीवी निर्यात 1,516 इकाइयों पर रही, जहां 42 फीसद की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने कुछ समय पहले ही 50 लाख गाड़ियों के प्रोडक्शन का आंकड़ा पार किया था। ऑटो प्रमुख ने 2004 में 10 लाख उत्पादनका आंकड़ा हासिल किया था। वहीं, 2010 में 20 लाख मील का पत्थर हासिल किया गया था। साल 2015 में टाटा ने 30 लाख यूनिट और 2020 में 40 लाख यूनिट को पार कर लिया। वहीं, अब कंपनी को 50 लाख उत्पादन का आंकड़ा हासिल करने की उपलब्धि मिली।

राष्ट्रीय ध्वज का अपमान बर्दाश्त नहीं

प्रताप सिंह पटियाल

भारत के प्रति हिकारत भरी इस कारकर्दगी पर इन देशों की हुकूमत के लब-ए-इजहार पर खामोशी की रजामंदी का आलम कई सवाल खड़े करता है। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत की प्रतिष्ठा से जुड़े इस मुद्दे पर इन मुल्कों को अपना नजरिया साफ करना होगा'

भारत का स्वाभिमान राष्ट्रीय ध्वज शान ए तिरंगा अंतर्राष्ट्रीय पटल पर हिंदोस्तान की राष्ट्रीय पहचान को जाहिर करता है। संविधान के मौलिक कत्तर्व्यों में राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना भारत के हर नागरिक का मूल कत्तर्व्य माना गया है। अंग्रेजों से आजादी के लिए देश के सैंकड़ों इंकलाबी युवा तख्ता-ए-दार पर झूल गए। लंबी जद्दोजहद के बाद बर्तानियां के झंडे यूनियन जैक का सूर्यास्त हुआ तथा आजादी के प्रतीक तिरंगे का उदय हुआ। कत्तर्व्य पथ पर जश्न-ए-जम्हुरियत की शुरुआत हो या लाल किले की प्राचीर से जश्न-ए-आजादी का आगाज दोनों कार्यक्रमों का शुभारंभ राष्ट्रीय ध्वजारोहण से ही होता है। वर्तमान में कुछ देशों में भारत विरोधी मनोग्रंथी में डूब चुके तत्वों द्वारा भारत के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करके हिंदोस्तान की संप्रभुता को चुनौती देने की हिमाकत हो रही है। स्मरण रहे देश के सैनिक मातृभूमि की रक्षा के लिए बलिदान देने का हलफ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के समक्ष ही लेते हैं। अतः राष्ट्रीय ध्वज के अपमान से करोड़ों देशवासियों के साथ खिलाडियों व सैनिकों की भावनाएं सबसे ज्यादा आहत होती हैं। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को वैश्विक स्तर पर गौरव प्रदान करने में सबसे बड़ा योगदान हमारे खिलाडियों व सैनिकों का होता है। इसीलिए अंतर्राष्ट्रीय खेल मैदानों से लेकर देश की सरहदों तक तिरंगा पूरी शान व शिद्दत से लहराता है। आजादी के बाद किशन लाल की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने लंदन ओलंपिक में 12 अगस्त 1948 को इंग्लैंड की टीम को हराकर 'गोल्ड मेडल' जीतकर भारत को गौरवान्वित किया था।

मल्लिका ए बर्तानियां 'एलिजाबेथ' उस मैच को देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद थी। जब हॉकी टीम ने आज़ाद भारत का पहला स्वर्ण पदक जीतकर हिंदोस्तान पर दो सौ वर्षों तक हुक्मरानी करने वाले ब्रिटेन की धरती पर तिरंगा फहराकर अंग्रेजों को आईना दिखाया था। कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम ने 25 जून 1983 को 'लार्डस' के मैदान में कैरिबियाई टीम को शिकस्त देकर विश्व कप जीतकर उसी ब्रिटेन की धरती पर तिरंगा फहराया था। भारत को क्रिकेट का विश्व विजेता बनाने वाले कपिल देव को भारतीय सेना ने 'पंजाब रेजिमेंट' में मानद कर्नल की उपाधि दी है। 2007 में टी ट्वेंटी तथा 2011 में वन डे क्रिकेट विश्व कप जीतकर तिरंगा फहराने वाले कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को सेना ने 'पैरा कमांडों' में मानद कर्नल का ओहदा प्रदान किया है। तात्पर्य यह है कि भारत को विश्व विजेता बनाकर तिरंगा फहराने वाले खिलाडियों को भारतीय सेना अपने विशेष अंदाज से सम्मानित करती है। 2008 के बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतकर चीन की धरती पर तिरंगा फहराने वाले अभिनव बिंद्रा 'सिख रेजिमेंट' के मानद कर्नल है। 2021 टोक्यो ओलंपिक में जेवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक जीतकर तिरंगे को वैश्विक खेल पटल पर गौरव प्रदान करने वाले नीरज चोपड़ा 'राजपूताना राइफल' में सूबेदार के पद पर तैनात हैं। विंग कमांडर 'राकेश शर्मा' ने सन 1984 में अंतरिक्ष में तिरंगा फहरा कर भारत का मान बढ़ाया था।

27 अक्तूबर 1947 को भारतीय सेना ने श्रीनगर में तिरंगा लहराकर पाक हुक्मरानों को एहसास करया था कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन चुका है। पाक सेना की मंसूबाबंदी को नेस्तानाबूद करके भारतीय सेना ने आठ सितंबर 1965 को लाहौर में तिरंगा फहरा दिया था। हमारे 'राष्ट्रीय गान' में जिस 'सिंध' का जिक्र होता है, कर्नल 'भवानी सिंह' '10 पैरा कमांडो' ने 7 दिसंबर 1971 को उसी सिंध की धरती पर तिरंगा फहराकर पाकिस्तान को भारत की सैन्य हैसियत से रूबरू करवा दिया था। हिमाचल के शूरवीर मेजर 'गुरदेव सिंह जसवाल' 'वीर चक्र' ने 10 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान के अंदर घुसकर पाक सेना की किलेबंदी को ध्वस्त करके शकरगढ़ में तिरंगा फहरा कर अपना बलिदान दिया था। कारगिल जंग के नायक कै. बिक्रम बत्रा ने युद्ध के दौरान कहा था कि 'जीत के बाद तिरंगा फहराकर आऊंगा या फिर उसी तिरंगे में लिपटकर आऊंगा लेकिन आऊंगा जरूर'। मातृभूमि के लिए बलिदान देने वाले बिक्रम बत्रा की यह जुनूनी तहरीर सात जुलाई 1999 को सच साबित हुई थी। काबिलेगौर रहे कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को डिजाइन करने वाले 'पिंगली वैंकेया' भी ब्रिटिश भारतीय सेना में सैनिक थे। आजादी से पूर्व सैनिकों को ब्रिटिश साम्राज्य के झंडे 'यूनियन जैक' को सलामी देनी पड़ती थी। उस वक्त पिंगली वैंकेया के जहन में भारत की आजादी के सूचक अपने राष्ट्रीय ध्वज की अहमियत का एहसास हुआ था। 'एंग्लो बोअर' युद्ध (1899-1902) के दौरान पिंगली वैंकेया दक्षिणी अफ्रीका में तैनात थे। उस समय पींगली वैंकेया की मुलाकात दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी से हुई थी। पिंगली वैंकेया के राष्ट्रीय ध्वज के प्रति मोहिब्बे वतन के जज्बातों से गांधी जी काफी प्रभावित हुए थे। आजादी के बाद भारतीय संविधान सभा ने 22 जुलाई 1947 को तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार किया था। सन 2009 में भारत सरकार ने पींगली वैंकेया पर डाक टिकट जारी किया था। तिरंगे की शान के लिए सैनिकों की कुर्बानियों का सम्मान पूरी अकीदत से करना होगा, मगर विडंबना है कि ब्रिटेन, कनाडा, अमेरिका व आस्ट्रेलिया जैसे देशों में भारतीय दूतावासों पर लगे तिरंगे का अपमान हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार हर देश को अपने सहयोगी देशों के संबंधित प्रतीक चिन्हों की सुरक्षा की जिम्मेवारी निभानी होती है। भारत के प्रति हिकारत भरी इस कारकर्दगी पर इन देशों की हुकूमत के लब-ए-इजहार पर खामोशी की रजामंदी का आलम कई सवाल खड़े करता है। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत की प्रतिष्ठा से जुड़े इस मुद्दे पर इन मुल्कों को अपना नुक्ता-ए-नजर साफ करना होगा। राष्ट्र की अस्मिता के लिए फिदा-ए-वतन होने वाले सैनिकों का अरमान यही होता है कि राष्ट्रीय ध्वज का इकबाल हमेशा बुलंद रहे। अतः हिंदोस्तान के गौरव शान-ए-तिरंगा के अपमान का दुस्साहस बर्दाश्त नहीं होगा। इन घटनाक्रमों पर भारत सरकार विदेशी राजनयिकों को तलब करके अपने एहतेजाज का इजहार करती है। मगर विदेश मंत्रालय को राष्ट्रीय ध्वज के अपमान में मुश्तमिल दोषियों पर सख्त कार्रवाई को अमल में लाना होगा जो भविष्य में नजीर बने।

संपादक की कलम से

अनुच्छेद 19 की सुप्रीम समीक्षा

जब से भारत का संविधान बना और लागू किया गया है, अभिव्यक्ति की आज़ादी और अनुच्छेद 19 के तहत स्वतंत्र मीडिया की चर्चा, किसी न किसी संदर्भ में, होती रही है। भारत में मीडिया पूर्णतः स्वतंत्र है, लिहाजा लोकतंत्र ज़िन्दा है। लेकिन उस पर 'तर्कसंगत प्रतिबंध' लगाए जाते रहे हैं। कारण राष्ट्रीय सुरक्षा या संवेदनशील नीतियों के उल्लंघन का बताया जाता रहा है। सरकार 'तार्किक पाबंदियों' की व्याख्या नहीं करती, लिहाजा अनुच्छेद 19 बौना और अप्रभावी साबित होता रहा है। संविधान ने भी ऐसे मानक तय नहीं किए हैं, जिनके आधार पर प्रतिबंधों की तार्किकता को परखा जा सके। अदालतों ने भी सटीक व्याख्या नहीं की है, नतीजतन पत्रकारों पर प्रहार जारी रहे हैं और मीडिया की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार बेमानी साबित होने लगता है। ऐसे निराशाजनक और अनिश्चित माहौल में सर्वोच्च अदालत ने अनुच्छेद 19 की स्पष्ट व्याख्या की है और मीडिया को सुरक्षित रखने की महत्त्वपूर्ण कोशिश की है। मामला मलयालम न्यूज़ चैनल का था।

भारत सरकार के सूचना-प्रसारण मंत्रालय ने चैनल के लाइसेंस का नवीकरण खारिज कर दिया था। चैनल पर राष्ट्रीय सुरक्षा के उल्लंघन का गंभीर आरोप चस्पा किया गया था। 'माध्यमम ब्रॉडकास्टिंग लिमिटेड बनाम भारत सरकार' मामले में शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया और अनुच्छेद 19 के तहत मीडिया की स्वतंत्रता की गारंटी प्रतिपादित की। सुप्रीम अदालत ने इस फैसले के जरिए एक न्यूनतम मानदंड भी स्थापित किया, जिसके आधार पर न्यायपालिका अपने निर्णय सुना सकती है। यह फैसला मीडिया की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को लेकर एक उदाहरण बन गया। चैनल 'मीडिया वन' के अस्तित्व का सवाल था और आरोप राष्ट्रीय सुरक्षा के लगाए गए थे, लिहाजा चैनल ने पहले तो केरल उच्च न्यायालय में इस पाबंदी को चुनौती दी। राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लंघन कैसे किया गया, भारत सरकार ने सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं किया था, क्योंकि सूचना-प्रसारण मंत्रालय का जवाब सीलबंद लिफाफे में बंद था। ऐसी स्थिति में गोपनीयता का तर्क भी दिया जाता है और अपीलकत्र्ता खुलकर अपना बचाव नहीं कर सकता, नतीजतन उच्च न्यायालय ने भी स्वीकार किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में न्यायिक समीक्षा की संभावनाएं और गुंज़ाइश भी सीमित हैं। उसके बाद मामला सर्वोच्च अदालत में आया था। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में न्यायिक पीठ ने प्रक्रिया और ठोस आधार पर 'मीडिया वन' के पक्ष में फैसला सुनाया। सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष यह रहा कि न्यायिक पीठ ने 'तर्कसंगत प्रतिबंध' के मानक भी तय कर दिए और आदेश दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में भी 'सीलबंद लिफाफे' का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। यह समतल क्षेत्र के खेल की भावनाओं के खिलाफ है। सरकार को अब समानता के चार-पदीय मानकों का बचाव करना ही होगा। जानबूझ कर और मनमाफिक तरीके से अधिकारों को उलटा-पलटा नहीं जा सकता। 'मीडिया वन' के खिलाफ भारत सरकार का निर्णय समानता के मानकों का उल्लंघन करता है। 'गुप्तचर ब्यूरो' की दलील थी कि 'मीडिया वन' सत्ता-विरोधी है, क्योंकि उसने सेना और न्यायपालिका की आलोचना की है। सर्वोच्च अदालत ने सीलबंद लिफाफे को खोला और सरकार के निर्णय का आधार सार्वजनिक हो गया। न्यायिक पीठ ने इन आधारों और दलीलों को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत का मानना था कि भारत सरकार ने 'तार्किक प्रतिबंध' का नियम 'घुड़सवार तरीके' से लिया और एक टीवी चैनल पर प्रतिबंध लगा दिया। यह अनुच्छेद 19 की सरासर गलत और मनमानी व्याख्या है। राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में भी ऐसे प्रतिबंध मीडिया पर नहीं लगाए जा सकते।

चर्चा

बहस के आंगन में सत्र-1

राजनीति की अपनी बोलियां और टप्पे हैं, जिन्हें सुन कर हम अंदाजा लगा सकते हैं कि विधानसभा सत्र की बहस में भी नाचते वक्त कभी आंगन टेढ़ा लगता है, तो यह पक्ष और विपक्ष के बीच मुद्दों का कदमताल है। हिमाचल के खुलते और बंद होते दरवाजों की नीयत पर शक करें या उन रोशनदानों के लिए जगह पैदा करें, जो भविष्य की रोशनी को खींच लें। सुक्खू सरकार ने जिस दरिया को पार करके अपनी सत्ता का नगर बसाया है, वहां विपक्ष में भाजपा अपना स्थान पुष्ट करना चाहती है और इसी द्वंद्व के मोर्चे पर वाकआउट जैसे नजारे उभरते रहे। कहीं बादलों ने डिनोटिफाइड संस्थानों की पृष्ठभूमि को छुपा लिया, तो विपक्ष मांझी की तरह नगर को छोडक़र फिर नदिया में अपनी नाव चलाने लगा। विधानसभा में आती आवाजें बार-बार बाहर निकल कर हांक लगातीं, तो महिलाओं के हक में कांग्रेस की गारंटियों पर चीखते विपक्ष के लिए पंद्रह सौ रुपए की अदायगी जीने मरने का सवाल बन जाता है। भाजपा का चुनावी मलाल, सत्ता पर चढ़े गुलाल से मुकाबला करते हुए तमाम गारंटियों का हिसाब लेना चाहता है, तो सादगी भरे आश्वासन से मुख्यमंत्री बता देते हैं कि सरकार पूरे पांच साल की करवटों में गारंटियों में भरी उम्मीदों को बांटेगी। भाजपा बार-बार अपनी पूर्ववर्ती सत्ता के मैदान पर छोड़ आई गेंद उठा कर सत्ता पक्ष की तरफ उछालती रही। यह वही गेंद है जो जनमंच के आयोजनों के वक्त अधिकारियों की तरफ उछाली जाती थी। अब अगर सुक्खू सरकार ऐसे शिकायती मंच पर शिरकतनहीं करना चाहती, तो विपक्ष को तर्क रखने का इतना अधिकार तो था कि वह सदन के वेल तक आ कर अपनी शिकायत का तापमान बढ़ा दे। विपक्ष ने सत्तापक्ष के विधायकों को बीच में यह भी सिखा दिया कि सत्र में टाइम टेबल से आने की जरूरत क्या है। एक बार मौका यह भी आया कि योजनावकाश के बाद कुछ देरी से आए सत्ता के नुमाइंदों को विपक्ष ने 'सरकार गुम है' का अलाप सुना दिया। विधानसभा का बजट सत्र सरकार के नए आरोहण का गुलदस्ता पेश कर रहा था, तो विपक्ष के माप तोल बढ़ा रहा था। सरकार नीतियों को बदलने के तरानों में ऐसा कुछ नहीं सुन सकती, जो पिछली सरकार की वकालत करे। इसलिए हिमाचल का बजट 3064 करोड़ बढ़ा दिया जाता है। आउटसोर्स भर्ती को ताले में बंद करके नई परिपाटी में नौकरी बुलंद होगी। सरकार प्रदेश के नक्षत्र बदल कर वाटर सेस लगाना चाहती है, तो समर्थन में विपक्ष भी एक स्वर कह उठता है, 'हिमाचली हक-ऐत्थे रख'। मसले बहुतेरे हैं, तो नए विकल्पों पर सुक्खू सरकार ने एसएमसी शिक्षकों को भी राहत का पैगाम दे दिया। खींचतान के लिए पूर्व सरकार का भुगतान सुक्खू सरकार के बजट का इम्तिहान लेने लगा तो पता चला हिमकेयर के 61 करोड़ भी देने पड़ेंगे। विपक्ष एक ओर सदन में सरकार पर गुमराह करने का आरोप लगाते दिखा तो दूसरी ओर सत्ता पक्ष दस साल में हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने की कला पर वक्तव्य देते दिखा। सदन के रौंगटे कोई भी वाकआउट खड़े नहीं कर सकता, लेकिन छोटा सा सवाल भी गहने उतार सकता है। इसलिए अर्थव्यवस्था के नाम पर ऋण लेने पर खूब बाल नोचे गए, लेकिन हिसाब-किताब बता गया कि आगे भी गाड़ी उधार के पेट्रोल पर ही चलेगी। सरकार ओपीएस देने की मुद्रा में बजट सत्र को आश्वासनों से लबालब कर गई, लेकिन कहीं सत्य यह भी निकला कि एनपीएस के कुल 9243 करोड़ पर केंद्र कुंडली मार कर बैठ गया है। विधानसभा सत्र में अफसोस के कई जाम छलकते रहे, जब विपक्ष की आशंकाओं में वर्तमान सरकार के प्रति असंतोष, अविश्वास और अवज्ञा के हुंकारे भरे गए।

पुलिस की कार्यप्रणाली और स्वायत्तता

योगेन्द्र योगी

"11 साल पहले हैदराबाद की प्रसिद्ध मक्का मस्जिद में हुए शक्तिशाली पाइप बम धमाके मामले में स्वामी असीमानंद सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया। इस प्रसिद्ध इबादतगाह में हुए ब्लास्ट में 9 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में सीबीआई के 54 गवाह अपने बयान से मुकर गए।

पुलिस की कार्यशैली अभी तक अंग्रेजी राज जैसी चली आ रही है। सरकार के इशारे के बगैर पुलिस पत्ता तक नहीं हिला सकती। पुलिस न केवल अनुसंधान के मामलों में लचर है बल्कि कानून-व्यवस्था में भी राज्य सरकारों का मुंह ताकती रहती है। आतंकी और अन्य बड़े अपराधों के बरी हुए आरोपियों के साथ ही कई राज्यों में रामनवमी पर बिगड़ी कानून-व्यवस्था को संभालने में नाकाम रही पुलिस आरोपों के कटघरे में है। पश्चिमी बंगाल, बिहार और झारखंड में रामनवमी पर हुए सांप्रदायिक उपद्रवों ने पुलिस और राज्य सरकारों की कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी। पुलिस और राज्य की इंटेलीजेंस एजेंसियां न सिर्फ दंगों का पहले से पता लगाने में नाकाम रही बल्कि दंगों को फैलने से रोकने में भी विफल रही। पश्चिमी बंगाल, झारखंड और बिहार में दंगा एक शहर से दूसरे शहरों तक फैलता चला गया। कानून-व्यवस्था संभालने के मामले में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने तत्काल पहल की। इसी पर्व पर उपद्रवियों ने लखनऊ में फसाद करने का प्रयास किया, किन्तु पुलिस ने उसे सख्ती से नाकाम कर दिया।

कानून-व्यवस्था के मामलों में सरकारों के हाथों की कठपुतली बनी पुलिस गंभीर मामलों में अनुसंधान को अंजाम तक पहुंचाने में नाकाम रही है। राजधानी जयपुर में मई 2008 में हुए सीरियल ब्लास्ट मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने 29 मार्च को चारों आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने जांच एजेंसी की ओर से पेश किए गए सबूतों को गलत पाया। वर्ष 2019 में चारों आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी। पुलिस की भारी किरकिरी होने के बाद राज्य सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने की कवायद में जुटी है। पुलिस की नाकामी का दूसरा बड़ा मामला उत्तर प्रदेश के भदोही में सामने आया। भदोही जिले की एक अदालत ने 4 लोगों के एनकाउंटर के 25 साल पुराने मामले में 34 पुलिसकर्मियों समेत 36 लोगों को बरी कर दिया है। पुलिस के हाथ कैसे बंधे होते हैं, इसका एक और उदाहरण खालिस्तान समर्थक और वारिस-ए-पंजाब के प्रमुख अमृतपाल का मामला है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश की सरकार अमृतपाल की गिरफ्तारी से बचती रही।

पुलिस ही नहीं कई मामलों में सीबीआई और एनआईए जैसी केंद्रीय जांच एजेंसी भी संवेदनशील अपराधों के मामलों की तफ्तीश को लचर तरीके से करके अपनी किरकिरी करा चुकी है। 11 साल पहले हैदराबाद की प्रसिद्ध मक्का मस्जिद में हुए शक्तिशाली पाइप बम धमाके मामले में स्वामी असीमानंद सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया। इस प्रसिद्ध इबादतगाह में हुए ब्लास्ट में 9 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में सीबीआई के 54 गवाह अपने बयान से मुकर गए। इस पर सीबीआई की खूब फजीहत हुई थी। गुजरात की एक अदालत ने 2002 के सांप्रदायिक दंगों के दौरान कलोल में अलग-अलग घटनाओं में अल्पसंख्यक समुदाय के 12 से अधिक सदस्यों की हत्या और सामूहिक बलात्कार के आरोपी सभी 39 लोगों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। इसी तरह सूरत की एक अदालत ने प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) का सदस्य होने का आरोप झेल रहे 122 लोगों को दिसंबर 2001 में सूरत में हुई एक बैठक में शामिल होने के आरोप से बरी कर दिया।

ये चंद ऐसे बड़े उदाहरण हैं जिनसे देश की पुलिस प्रणाली की खराब होती हालत उजागर होती है। इसके अलावा ऐसे छोटे मामलों की संख्या हजारों में है जिनमें पुलिस के ईमानदारी से अनुसंधान नहीं करने पर आरोपी रिहा होते रहे हैं। अपराधों का अनुसंधान लचरता से करने पर पुलिस का समय और सरकारी धन हर साल बर्बाद होता है। इसकी चिंता सरकारों को नहीं है। पुलिस की रुचि भी ऐसे आपराधिक मामलों में अपराधियों को सजा के अंजाम तक पहुंचाने में ज्यादा नहीं होती, जिनमें कुछ कमाई नहीं होती। यही वजह है कि पुलिस ऐसे अनुसंधानों को गंभीरता से लेने से कन्नी काटती है। पुलिस की बिगड़ती छवि के लिए पुलिस के आला अफसरों समेत राज्य सरकार बराबर की जिम्मेदार है। पुलिस की विफलता पर पर्दा डालने और मनमर्जी से पुलिस से काम कराने में आड़े आने पर सीबीआई की जांच राज्य सरकारों को खटकती रही है। यही वजह है कि विपक्षी दलों की राज्य सरकारें सीबीआई से जांच कराने का विरोध करती रही हैं। इतना ही नहीं पश्चिमी बंगाल और राजस्थान सहित 9 राज्यों की विपक्षी दलों की सरकार सीबीआई से जांच नहीं कराने का प्रस्ताव तक पारित कर चुकी हैं।

सवाल यह भी है कि अदालत से बरी हुए जिन आरोपियों ने सालों जेल में काटे हैं, इससे उनके भविष्य और परिवार का जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई कौन करेगा। सरकार उनका भविष्य तबाह करने के लिए किसी तरह का मुआवजा नहीं देती है। आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत जुटाने में नाकाम रहे पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मंशा भी सरकारों की नजर नहीं आती। पर्याप्त सबूतों के अभाव में बरी हुए आरोपियों के मामलों से सरकारों ने कोई सबक नहीं सीखा। ऐसी गलतियां फिर नहीं दोहराई जाएं, इसका पक्का इंतजाम करने की मंशा नेताओं और सरकारों की नजर नहीं आती। ऐसा नहीं है कि पुलिस महकमे में योग्य पुलिसकर्मियों की कमी हो, किन्तु नेताओं की मनमर्जी से काम नहीं करने पर उन्हें योग्यता दिखाने का अवसर ही नहीं दिया जाता। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पुलिस एवं अन्य जांच एजेंसियां सरकारों के हाथों की कठपुतली बनी हुई हैं। सरकार और राजनीतिक दलों का सारा जोर पुलिस से अपने निहित स्वार्थ पूरे कराने पर रहता है। सत्तारूढ़ दल पुलिस का इस्तेमाल अपने राजनीतिक स्वार्थ साधने के लिए करते रहे हैं। पुलिसकर्मी भी मलाईदार पोस्टिंग के लिए नेताओं के आगे-पीछे घूमते हैं। काबिल और ईमानदार अफसर महत्वपूर्ण पोस्टिंग से दरकिनार कर दिए जाते हैं। देश में जब तक पुलिस को पूरी तरह स्वायत्तता नहीं मिलेगी तब तक उसकी विश्वसनीयता पर उंगलियां उठती रहेंगी।

सवाल यह भी है कि अदालत से बरी हुए जिन आरोपियों ने सालों जेल में काटे हैं, इससे उनके भविष्य और परिवार का जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई कौन करेगा। सरकार उनका भविष्य तबाह करने के लिए किसी तरह का मुआवजा नहीं देती है। आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत जुटाने में नाकाम रहे पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मंशा भी सरकारों की नजर नहीं आती। पर्याप्त सबूतों के अभाव में बरी हुए आरोपियों के मामलों से सरकारों ने कोई सबक नहीं सीखा। ऐसी गलतियां फिर नहीं दोहराई जाएं, इसका पक्का इंतजाम करने की मंशा नेताओं और सरकारों की नजर नहीं आती। ऐसा नहीं है कि पुलिस महकमे में योग्य पुलिसकर्मियों की कमी हो, किन्तु नेताओं की मनमर्जी से काम नहीं करने पर उन्हें योग्यता दिखाने का अवसर ही नहीं दिया जाता। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पुलिस एवं अन्य जांच एजेंसियां सरकारों के हाथों की कठपुतली बनी हुई हैं। सरकार और राजनीतिक दलों का सारा जोर पुलिस से अपने निहित स्वार्थ पूरे कराने पर रहता है'

चिंतन विचार

क्या विस्थापितों का दर्द समझेगी सरकार

कविता सिसोदिया

कहते हैं कि कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है, पर कई बार ऐसा भी होता है कि लाभ तो सभी का होता है, पर खोना कुछ लोगों को ही पड़ता है। किसी समय जिला बिलासपुर के पुराने नगर में एक विशाल बाजार और बस्तियां थीं, जहां सैकड़ों परिवार खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे थे। पर भाखड़ा बांध प्रोजेक्ट के अंतर्गत उस नगर के स्थान पर आज गोविंद सागर झील है। देश ने विकास किया, दीपक के स्थान पर बिजली के बल्बों से पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश रोशन हुए, पर इस बांध के लिए बिलासपुर के पुराने नगर के निवासियों को अपना बलिदान देकर विस्थापन का दर्द झेलना पड़ा। वे अपने हाट-घराट, खेत-खलिहान व पुराने साथियों को अभी तक नहीं भूल पाए। आज विश्व का प्रत्येक देश तीव्र गति से विकास के पथ पर अग्रसर है। अगर कोई देश विकास पथ पर दो कदम पीछे रह गया तो समझो विश्व में पिछड़ गया। इस विकास व उन्नति के लिए व देश को समृद्धशाली बनाने के लिए बेशक हम पृथ्वी से अंधाधुंध छेड़छाड़ कर रहे हैं।

कई बार हमें इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ता है। पर आज का मानव कम से कम समय में अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहता है। इसलिए यातायात के साधनों में भी द्रुतगति से बदलाव हो रहा है। बड़े-बड़े मैदानी राज्यों में तो फोरलेन या सिक्स लेन सडक़ें बनाना एक आम बात है क्योंकि समतल भूमि होने के कारण वहां यह काम आसानी से हो जाता है। पर पहाड़ी राज्यों में भी फोरलेन का काम जोर-शोर से आरंभ हो चुका है। किरतपुर-मनाली फोरलेन का निर्माण कार्य लगभग अपने अंतिम चरण में है। इसी के साथ मटौर-शिमला व मंडी-पठानकोट आदि फोरलेन निर्माण कार्य आरंभ करने के लिए प्रक्रिया जारी है। सर्वे करने वाली कई टीमें आ रही हैं। अभी तक तो इसकी जद में आकर बेघर होने वाले लोग निश्चिंत थे, पर जब सर्वे करने वाली एक टीम ने उनके मकानों के हर कमरे की नाप-नपाई आरंभ कर दी तो उस घर में रहने वालों के दिल डूबने से लगे।

एक मध्यमवर्गीय परिवार को अपने सपनों का महल बनाने में पूरा जीवन लग जाता है। घर जीवन में एक बार ही बनता है जिसे बड़े सुनियोजित ढंग, उमंग, शौक व दिल लगाकर बनाया जाता है। इसको बनाने में कभी-कभी कई वर्ष लग जाते हैं। एक-एक सामग्री बड़े सोच विचार, धन जोडक़र बड़ी दौड़-धूप करके लाई जाती है। गांव में तो मजदूर और मिस्त्री भी बड़े इंतजार के बाद मिल पाते हैं। इसको सजाने में भी समय लगता है। बड़े हर्षोल्लास से गृह प्रवेश किया जाता है। कुछ लोग अभी कुछ साल पहले ही सेवानिवृत्त होकर अपने सपनों के घर में शेष जीवन आराम से व्यतीत करने की मधुर उम्मीद से आते हैं क्योंकि सारी उम्र नौकरी के स्थानांतरण के कारण न जाने कितने स्थान व मकान बदले, तब कहीं जाकर अपने घर में रहने का शुभ अवसर मिला। पर जब उनकी आंखों के सामने उनके सपनों के नीड़ पर बुलडोजर चलाया जाता है तो आंखों के आगे अंधेरा छाने लगता है। बहुत ही मुश्किल होता है एक स्थान से दूसरे स्थान में बसना। कई परिवार तो अपने नौजवान बेटों-बहुओं के साथ रहते हैं जो मिलकर एक अन्य स्थान पर फिर से घर बना सकते हैं, पर कई परिवार ऐसे भी होते हैं जहां केवल एक बुजुर्ग दंपति अपने समाज के साथ मिलकर रह रहे होते हैं। बेटा-बहू शहर में नौकरी करते हैं और वहीं रहना चाहते हैं। वे अपना घर खोकर चिंता में पड़ जाते हैं। छत पर नियमित रूप से आने वाले पंछी ढूंढते हैं कि वह छत कहां खो गई जहां वे बाल-गोपाल संग चहचहाते थे और दाना-पानी लेते थे। वे क्यारियां जो बड़े यत्न से फूलों से सजाई थी, जिनमें ऑर्गेनिक विभिन्न सब्जियां उगाई थी, उन पर मलवा फिर जाता है। उस गौशाला में अभ्यस्त पालतू पशु नई दिवारों में अपना पहले वाला स्पर्श टटोलते हैं। वे अमरूद, पपीता, आम, नींबू, गलगल आदि के पौधे भी अपनी बलि देते हैं। वह पीपल का पेड़, वह बावड़ी जिससे जल लेकर पीपल, शिवलिंग और वट वृक्ष पर चढ़ाया जाता था, सबकी स्मृतियों की दिल में टीस सी उठती है। वे मोर व अन्य पक्षियों का कलरव, विभिन्न पौधों की खुशबुओं के साथ चरागाहों की पगडंडियों में सुबह की सैर का अमूल्य खजाना कहीं खो जाता है। उच्च आदर्श नारियां तो यह सब छोडक़र अपने मायके में एक रात भी नहीं रहना चाहती। इस तरह की परिस्थितियां कई विस्थापितों की होती हैं। फोरलेन के लिए सिक्स लेन भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है। पहले यह भी सुनने में आया था कि डबल लेन की दो सडक़ें बनेंगी। एक से आना होगा और एक से जाना। पर अब फोरलेन के लिए भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है। घुमारवीं से आगे हमीरपुर रोड डबल लेन है और काफी सुविधाजनक है।

अदाणी टोटल गैस ने CNG-PNG के दाम में की भारी कटौती, रात 12 बजे से नई दरें लागू

अदाणी टोटल गैस की यह घोषणा केंद्र सरकार के घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत तय करने के लिए नए फॉर्मूले के एलान के एक दिन बाद आई है। माना जा रहा है कि मूल्य तय करने की नई प्रणाली से सीएनजी और पीएनजी की लागत कम होगी। इससे सीएनजी व पीएनजी के दाम 10 फीसदी तक घट जाएंगे।

नई दिल्ली। अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने जनता को रहात दी है। कंपनी ने सीएनजी की कीमत में 8.13 रुपये प्रति किलोग्राम और पीएनजी की कीमत में 5.06 रुपये प्रति घन सेंटीमीटर तक कटौती की घोषणा की है। सीएनजी-पीएनजी की संशोधित दरें आठ अप्रैल रात 12 बजे से लागू हो गई हैं।

अदाणी टोटल गैस की सीएनजी और पीएनजी के दाम में कटौती की घोषणा केंद्र सरकार के घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत तय करने के लिए नए फॉर्मूले के एलान के एक दिन बाद आई है। माना जा रहा है कि मूल्य तय करने की नई प्रणाली से सीएनजी और पीएनजी की लागत कम होगी। इससे सीएनजी व पीएनजी के दाम 10 फीसदी तक घट जाएंगे। नए फॉर्मूले के मुताबिक, सीएनजी-पीएनजी की कीमतों का निर्धारण अब हर महीने होगा। अभी तक सीएनजी-पीएनजी की दरें हर छह महीने में तय होती थीं।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि अंतिम उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने की नीति के अनुरूप, एटीजीएल ने भारत सरकार के नए गैस मूल्य निर्धारण फॉर्मूले का पालन करते हुए घरेलू पीएनजी और सीएनजी उपभोक्ताओं तक लाभ पहुंचाने का निर्णय लिया है। इस प्रकार पेट्रोल की कीमतों की तुलना में सीएनजी उपभोक्ताओं के लिए 40% से अधिक की बचत और घरेलू पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी की कीमतों की तुलना में लगभग 15% की बचत दी जाएगी।

वहीं, गेल इंडिया की सहायक कंपनी महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने भी अपने लाइसेंस वाले क्षेत्र में सीएनजी के खुदरा मूल्य में आठ रुपये प्रति किलो और पीएनजी के खुदरा मूल्य में पांच रुपये प्रति एससीएम की कटौती की घोषणा की है।

सीबीआई ने कोचर दंपति के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया, वेणुगोपाल धूत को भी आरोपी बनाया

परिवहन विशेष न्यूज

अधिकारियों ने बताया कि जांच एजेंसी ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और 409 (विश्वास का आपराधिक हनन) तथा भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोपपत्र दायर किया है। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई ने नौ इकाइयों को नामजद किया है, जिनमें कंपनियां और व्यक्ति शामिल हैं।

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 3,250 करोड़ रुपये के ऋण धोखाधड़ी मामले में आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) चंदा कोचर, उनके पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन समूह के संस्थापक वेणुगोपाल धूत के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जांच एजेंसी ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और 409 (विश्वास का आपराधिक हनन) तथा भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोपपत्र दायर किया है। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई ने नौ इकाइयों को नामजद किया है, जिनमें कंपनियां और व्यक्ति शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक से चंदा कोचर के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी की अनिवार्य आवश्यकता के बिना सीबीआई मुंबई की एक विशेष अदालत के समक्ष अपनी अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने के लिए आगे बढ़ी है। अधिकारियों के मुताबिक, मंजूरी के लिए बैंक को एक पत्र भेजा गया था, लेकिन उसके जवाब का इंतजार है। आम तौर पर, विशेष अदालत आरोपपत्र का संज्ञान लेने के लिए आगे बढ़ने से पहले मंजूरी का इंतजार करती है और बाद में पात्र होने पर मुकदमा शुरू करती है। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई की विशेष अदालत ने आरोपपत्र पर अभी तक संज्ञान नहीं लिया है।

उन्होंने कहा कि मुकदमा चलाने की मंजूरी से इनकार के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होंगे। एजेंसी ने कोचर दंपति और धूत को पिछले साल दिसंबर में गिरफ्तार किया था। हिरासत के लिए सीबीआई की याचिका का विरोध करते हुए, कोचर दंपति की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अमित देसाई अदालत के संज्ञान में एक पत्र ले आए, जिसे आईसीआईसीआई बैंक ने जुलाई 2021 में सीबीआई को लिखा था। पत्र में कहा गया था कि बैंक को किसी भी लेन-देन में कोई गलत नुकसान नहीं हुआ है।

बंबई हाईकोर्ट ने नौ जनवरी को कोचर दंपति को जमानत दे दी थी

बंबई उच्च न्यायालय ने इस साल नौ जनवरी को कोचर दंपति को जमानत दे दी थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि वर्तमान मामले में गिरफ्तारी का आधार केवल सहयोग नहीं करना और पूर्ण एवं सही खुलासा नहीं करना बताया गया है। पीठ ने कहा था कि कोचर दंपति की गिरफ्तारी दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 41ए का उल्लंघन है, जो संबंधित पुलिस अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने के लिए नोटिस भेजना अनिवार्य करती है।

कोचर दंपति के साथ वेणुगोपाल धूत को भी बनाया गया आरोपी

सीबीआई की प्राथमिकी में कोचर दंपति और धूत के साथ ही दीपक कोचर द्वारा प्रबंधित नूपावर रिन्यूएबल्स (एनआरएल), सुप्रीम एनर्जी, वीडियोकॉन इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड को आरोपी बनाया गया है। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि आईसीआईसीआई बैंक ने धूत द्वारा प्रवर्तित वीडियोकॉन समूह की कंपनियों को बैंकिंग विनियमन अधिनियम, आरबीआई के दिशा-निर्देशों और बैंक की ऋण नीति का उल्लंघन करते हुए 3,250 करोड़ रुपये की ऋण सुविधाएं मंजूर कीं।

इसने यह भी आरोप लगाया कि इसके बदले में धूत ने सुप्रीम एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एसईपीएल) के माध्यम से नूपावर रिन्यूएबल्स में 64 करोड़ रुपये का निवेश किया और 2010 और 2012 के बीच दीपक कोचर द्वारा प्रबंधित पिनेकल एनर्जी ट्रस्ट को एसईपीएल हस्तांतरित कर दिया।

इनसाइड

खाद्य वस्तुओं में नरमी से 6 फीसदी के नीचे आ सकती है खुदरा महंगाई, कच्चा तेल बढ़ा सकता है सिरदर्द

नई दिल्ली। सरकार मार्च के लिए खुदरा महंगाई के आंकड़े 12 अप्रैल, 2023 को जारी कर सकती है। इससे पहले फरवरी, 2023 में खुदरा महंगाई 6.44 फीसदी और जनवरी में 6.52 फीसदी रही थी। खाने-पीने की वस्तुओं के दाम घटने से मार्च, 2023 में खुदरा महंगाई 6 फीसदी से कम रह सकती है। खुदरा कीमतों पर आधारित (सीपीआई) महंगाई पिछले दो महीने से लगातार आरबीआई के 6 फीसदी से संतोषजनक दायरे से ऊपर रही है। रॉयटर्स की ओर कराए गए सर्वे में अर्थशास्त्रियों ने कहा, खुदरा महंगाई में लगभग आधी हिस्सेदारी रखने वाले खाद्य वस्तुओं की महंगाई में सब्जियों के दाम घटने के कारण सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि, अनाज की कीमतों में बढ़ोतरी से खुदरा महंगाई में कमी थोड़ी सीमित रह सकती है। इसके बावजूद सीपीआई महंगाई 5.80 फीसदी रह सकती है।

सरकार मार्च के लिए खुदरा महंगाई के आंकड़े 12 अप्रैल, 2023 को जारी कर सकती है। इससे पहले फरवरी, 2023 में खुदरा महंगाई 6.44 फीसदी और जनवरी में 6.52 फीसदी रही थी। 39 अर्थशास्त्रियों के बीच कराए गए सर्वे में कहा गया है कि मार्च में खुदरा महंगाई 5.40 से 6.40 फीसदी के दायरे में रह सकती है।

वहीं, 25 फीसदी अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इस बार भी सीपीआई महंगाई आरबीआई के संतोषजनक दायरे से बाहर रह सकती है। पिछले साल जनवरी से लेकर अक्तूबर तक यानी लगातार 10 महीने तक खुदरा महंगाई केंद्रीय बैंक के ऊपरी दायरे 6 फीसदी से अधिक रही थी। हालांकि, नवंबर, 2022 और दिसंबर, 2022 में ही यह 6 फीसदी से नीचे आई थी।

कच्चा तेल बढ़ा सकता है सिरदर्द

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अर्थशास्त्री सुजीत कुमार का कहना है कि सब्जियों और ईंधन के भाव में आई गिरावट से महंगाई में कमी आई है। लेकिन, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हाल के निचले स्तर से 20 फीसदी से अधिक की तेजी आई है। इसके अलावा, ओपेक प्लस देशों के कच्चे तेल के उत्पादन में 11.6 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती के अचानक फैसले से कच्चे तेल के दाम अभी और बढ़ेंगे। इससे ईंधन के भाव में तेजी आएगी, जिसका असर खुदरा महंगाई पर दिख सकता है।

अभी खत्म नहीं हुआ जोखिम

आरबीआई का कहना है कि जब तक महंगाई संतोषजनक दायरे में नहीं आती है, तब तक इसके खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। रबी फसल का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। इससे खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में नरमी आएगी। हालांकि, पशुचारे के दाम बढ़ने से गर्मियों में दूध के दाम ऊंचे स्तर पर बने रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजार में बढ़ती अनिश्चितता और आयातित महंगाई दबाव पर भी नजदीकी नजर रखने की जरूरत है।

आज से घटेंगी सीएनजी-पीएनजी की कीमतें, महानगर गैस ने भी घटाए दाम

सरकार ने शुक्रवार को नए मूल्य निर्धारण फॉर्मूले के तहत अप्रैल के लिए प्राकृतिक गैस की कीमत 7.92 डॉलर प्रति दस लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) तय कर दी है। तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, प्राकृतिक गैस की कीमत 8 से 30 अप्रैल तक के लिए तय की गई है।

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की उच्च कीमतों के बीच देश में सीएनजी और पीएनजी के दाम शनिवार से 6 से 8 रुपये तक घट सकते हैं। सरकार ने शुक्रवार को नए मूल्य निर्धारण फॉर्मूले के तहत अप्रैल के लिए प्राकृतिक गैस की कीमत 7.92 डॉलर प्रति दस लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) तय कर दी है। ग्राहकों के लिए यह दर 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू पर ही सीमित रहेगी, जो 31 मार्च, 2025 तक के लिए लागू होगी।

तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, प्राकृतिक गैस की कीमत 8 से 30 अप्रैल तक के लिए तय की गई है। इसका निर्धारण आयातित कच्चे तेल की औसत लागत के 10 फीसदी मूल्य के आधार पर किया है। तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) व ऑयल इंडिया लि. (ओआईएल) के पुराने क्षेत्रों से उत्पादित गैस की कीमत 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू सीमा के अधीन होगी।

नई दरें एक चौथाई कम

नई दरें मौजूदा कीमतों से एक चौथाई कम हैं। इससे सीएनजी-पीएनजी के दाम 10 फीसदी तक घट जाएंगे। क्रिसिल रेटिंग्स का अनुमान है कि दोनों गैसों के दाम 9-11 फीसदी तक घट सकते हैं।

महानगर गैस ने सीएनजी के दाम 8 रुपये घटाए

सरकार के इस फैसले के बाद महानगर गैस लि. ने अपने वितरण क्षेत्रों में सीएनजी के दाम आठ रुपये प्रति किलो घटा दिए हैं। पीएनजी की कीमत में भी पांच रुपये प्रति एससीएम की कटौती की है। अदाणी टोटल गैस ने भी शुक्रवार आधी रात से सीएनजी के दाम 8.13 रुपये और पीएनजी के दाम 5.06 प्रति यूनिट तक घटा दिए।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में आई कमी, 32.9 करोड़ डॉलर घटकर 578.45 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 31 मार्च को समाप्त सप्ताह में 329 मिलियन डॉलर यानी 32.9 करोड़ डॉलर घटकर 578.449 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले के दो समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में अच्छी वृद्धि हुई थी और 24 मार्च को समाप्त सप्ताह में यह 5.977 अरब डॉलर बढ़कर 578.778 अरब डॉलर हो गया था। वित्त वर्ष 2023 में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 24.23 अरब डॉलर की गिरावट आई है। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। देश के फॉरेक्स रिजर्व में गिरावट आ रही है क्योंकि केंद्रीय बैंक ने वैश्विक घटनाक्रमों के कारण बने दबाव के बीच रुपये को मजबूत बनाए रखने के लिए भंडार का उपयोग कर रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक सांख्यिकी पूरक के अनुसार 31 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियां 36 करोड़ डॉलर घटकर 509.691 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या गिरावट का प्रभाव भी शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि बीते सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 279 करोड़ डॉलर घटकर 45.20 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में विशेष निकासी अधिकार (एसडीआर) 27 करोड़ डॉलर घटकर 18.392 अरब डॉलर रह गया। वहीं इस इस दौरान आईएमएफ में देश का मुद्रा भंडार 14 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.165 अरब डॉलर हो गया।

कार खरीदने के लिए औसतन तीन घंटे ही ऑनलाइन खोज करते हैं भारतीय

कार्स24 के सह-संस्थापक गजेंद्र जांगिड़ ने कहा कि कोरोना काल के बाद वर्क फ्रॉम ऑफिस का चलन शुरू होने के बाद प्री-ओन्ड कारों की बिक्री में तेजी देखी गई है।

नई दिल्ली। कार खरीदने के लिए भारतीय औसतन महज तीन घंटे ही ऑनलाइन खोज करते हैं। इसके जरिये वे कारों की कीमत से लेकर अन्य जानकारियां हासिल करते हैं। कार्स24 ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि ऑनलाइन कार खरीदने की बढ़ती मांग को देखते हुए कई डीलरों ने भी पूरी बिक्री प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है। इससे ऑनलाइन खरीदारी पहले से आसान हो गई है। खरीदार घर बैठे ही पूरी खरीद प्रक्रिया पूरी कर लेता है। कार्स24 के सह-संस्थापक गजेंद्र जांगिड़ ने कहा कि कोरोना काल के बाद वर्क फ्रॉम ऑफिस का चलन शुरू होने के बाद प्री-ओन्ड कारों की बिक्री में तेजी देखी गई है।

पुरानी कारों की बिक्री 100 फीसदी बढ़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय उपभोक्ताओं में प्री-ओन्ड (पुरानी) कारें खरीदने और बेचने को लेकर एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। इससे कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली तिमाही में पुरानी कारों की मांग सालाना आधार पर 100 फीसदी बढ़ी है। प्री-ओन्ड कार मार्केट में मारुति सुजुकी का दबदबा है। शहरों के लिहाज से पहली तिमाही में लखनऊ और पटना में प्री-ओन्ड कारों की डिलीवरी में तेज वृद्धि दर्ज की गई।

ब्रोकरेज कंपनी ने आर्थिक वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 5.3 फीसदी किया, आरबीआई ने लगाया था अलग अनुमान

नई दिल्ली। नोमुरा ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं व अन्य चुनौतियों के बीच आरबीआई का यह अनुमान बहुत आशावादी है। ब्रोकरेज कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर के घटकर 5.3 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। जापानी ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने कहा कि आरबीआई का 2023-24 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान 'बहुत आशावादी' है। अक्तूबर, 2023 से ब्याज दर में कटौती का सिलसिला शुरू हो सकता है। नोमुरा ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं व अन्य चुनौतियों के बीच आरबीआई का यह अनुमान बहुत आशावादी है। ब्रोकरेज कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर के घटकर 5.3 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई के वृद्धि पूर्वानुमान में एक फीसदी से ज्यादा की कमी की आशंका जताते हुए कमजोर वैश्विक वृद्धि व घरेलू मौद्रिक नीति में सख्ती के प्रभावों को इसके लिए जिम्मेदार बताया है। नोमुरा ने महंगाई संबंधी आरबीआई के पूर्वानुमान से सहमति जताते हुए कहा, सकल मुद्रास्फीति का सबसे बुरा दौर पीछे छूट चुका है। इसलिए केंद्रीय बैंक जून की मौद्रिक समीक्षा बैठक में भी रेपो दर में वृद्धि पर रोक जारी रख सकता है।

दुबई के रास्ते मुंबई में घुसे तीन आतंकी, कंट्रोल रूम में आए फोन के बाद सर्च ऑपरेशन शुरू

अज्ञात कॉलर ने एक आतंकवादी की पहचान भी उजागर की है। आतंकी का नाम मुजीब सैय्यद बताया। साथ ही उसके फोन नंबर और गांडी नंबर के बारे में जानकारी भी दी। इसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है 26/11 हमले के बाद एक बार फिर आतंकवादी मुंबई को दहलाने की साजिश रच रहे हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मुंबई में दुबई के रास्ते तीन पाकिस्तानी आतंकवादी घुस आए हैं। इससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

बता दें, मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम को शनिवार को जानकारी मिली कि शहर में तीन आतंकवादी खुलेआम घूम रहे हैं। फोन करने वाले ने बताया कि शुक्रवार सुबह दुबई के रास्ते पाकिस्तान के तीन आंतकवादी मुंबई पहुंचे हैं।

फिलहाल कॉल करने वाले व्यक्ति की पहचान नहीं हुई है।

अज्ञात कॉलर ने एक आतंकवादी की पहचान भी उजागर की है। आतंकी का नाम मुजीब सैय्यद बताया। साथ ही उसके फोन नंबर और गांडी नंबर के बारे में जानकारी भी दी। इसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

हालांकि, घटना से जुड़े अधिकारियों को संदेह है कि ये जानकारी फर्जी हो सकती है। पुलिस फोन करने वाले का पता लगा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने चेन्नई में किया रोड़ शो, तेलंगाना मुख्यमंत्री केसीआर पर भी साधा निशाना

चेन्नई/सिकंदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना को कई परियोजनाओं की सौगात दी। पीएम तेलंगाना में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। उन्होंने सिकंदराबाद से तिरुपति के मार्ग पर चलने वाली वंदे भारत को भी रवाना किया। पीएम ने इसके बाद तेलंगाना की जनता को भी संबोधित किया और सीएम केसीआर पर जबरदस्त निशाना भी साधा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेन्नई में रोड़ शो किया। इस दौरान सड़क के दोनों तरफ बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। पीएम मोदी ने चेन्नई हवाईअड्डे पर नई टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया।

चेन्नई पहुंचे पीएम मोदी, राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

हैदराबाद में कार्यक्रमों के बाद पीएम नरेंद्र मोदी चेन्नई पहुंचे, जहां राज्यपाल आरएन रवि, सीएम एमके स्टालिन, मंत्रियों, सांसदों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उनका स्वागत किया।

आज चेन्नई के इतिहास का महत्वपूर्ण दिन : ज्योतिरादित्य सिंधिया

चेन्नई हवाई अड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन के उद्घाटन को लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, चेन्नई के इतिहास में आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है। चेन्नई भारत की क्षमता को दर्शाता है। चेन्नई एयरपोर्ट की क्षमता आज 50 फीसदी बढ़ जाएगी। यह राज्य को न केवल दक्षिण भारत बल्कि पूरे भारत के लिए प्रवेश द्वार बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

'मोदी ने भ्रष्टाचार की जड़ पर प्रहार किया है'

पीएम मोदी ने कहा, ₹हमने देशभर में डिजिटल पेमेंट की व्यवस्था बढ़ाई है लेकिन ऐसा पहले क्यों नहीं हुआ? इस लिए नहीं हुआ क्योंकि परिवारवादी ताकतें व्यवस्था पर... सिस्टम पर अपना कंट्रोल छोड़ना नहीं चाहती थीं। किस लाभार्थी को क्या लाभ मिले, कितना मिले ये नियंत्रण ये परिवारवादी अपने पास ही रखना चाहते थे।₹

तिलमिलाएं हुए हैं भ्रष्ट, कोर्ट ने भी दिया झटका: मोदी

पीएम ने कहा, ₹इनके तीन मतलब सच थे। पहला इनके ही परिवार की जय-जयकार हो, दूसरा करप्शन का पैसा इनके पास आता रहे और तीसरा जो पैसे गरीब के लिए भेजे जाते थे वह पैसे इनके भ्रष्ट ईको सिस्टम के अंदर बांटने में काम आ जाए। ये तिलमिलाए हुए हैं, बौखलाहट में कुछ भी किए जा रहे हैं। कुछ दिन पहले ऐसे कई राजनीतिक दल कोर्ट पहुंच कि हमें सुरक्षा दो कि हमारे भ्रष्टाचार की किताबें कोई खोले नहीं, कोर्ट ने वहां भी उन्हें झटका दे दिया

पीएम मोदी ने तेलंगाना सीएम पर बोला जुबानी हमला

प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर और उनकी राजनीति पर हमला करते हुए कहा, ₹कुछ मुट्ठीभर लोग विकास कार्यों से भौखलाए हुए हैं, ऐसे लोग जो परिवारवाद, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को पोषित करते रहे उन्हें काम करने वाले लोगों से परेशानी हो रही है। इन्हें देश, समाज के भले से कोई लेनादेना नहीं है। इन्हें सिर्फ अपने कुंबे को फलता-फूलता देखना पसंद है। तेलंगाना को ऐसे लोगों से सतर्क रहना ज़रूरी है।

पीएम ने आगे कहा, ₹तेलंगाना के विकास को लेकर... तेलंगाना के लोगों के विकास को लेकर जो सपना आपने देखा था उसको पूरा करना केंद्र की NDA सरकार अपना कर्तव्य समझती है। हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मॉडल को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। बीते 9 वर्षों के दौरान हैदराबाद में करीब 70 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क बनाया गया है। हैदराबाद के मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम (MMTS) प्रोजेक्ट पर भी तेजी से काम हुआ है। MMTS का तेजी से विस्तार हो इसके लिए इस वर्ष के केंद्रीय बजट में तेलंगाना के लिए 600 करोड़ रुपये रखे गए हैं।₹

पीएम मोदी ने दी परियोजनाओं की जानकारी

पीएम मोदी ने तेलंगाना में 11 हजार करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद यहां जनता को भी संबोधित किया। पीएम ने कहा, ₹महान क्रांतिकारियों की धरती... तेलंगाना को मेरा शत-शत प्रणाम। आज मुझे तेलंगाना के विकास को और गति देने का पुनः सौभाग्य मिला है। आज यहां शुरू की गई वंदे भारत एक्सप्रेस आस्था, आधुनिकता, टेक्नोलॉजी और टूरिज़म को कनेक्ट करने वाली है।₹

पीएम मोदी ने तेलंगाना को दी 11 हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

तेलंगानाः प्रधानमंत्री पीएम मोदी हैदराबाद पहुंचे हैं जहां वे 11,360 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद में AIIMS बीबीनगर का शिलान्यास किया। PM ने पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास और अन्य विकास परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

प्रधानमंत्री मोदी ने वंदे भारत को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सिकंदराबाद से तिरुपति के लिए शुरू होने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा दी। हालांकि, तेलंगाना के सीएम केसीआर इस कार्यक्रम में भी हिस्सा लेने नहीं पहुंचे।

प्रधानमंत्री मोदी हैदराबाद पहुंचे

पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार दोपहर तेलंगाना में 11 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं की सौगात देने पहुंचे। हैदराबाद एयरपोर्ट पर तेलंगाना की राज्यपाल तमिलसाई सौंदरराजन ने उनका स्वागत किया। हालांकि, तमिलनाडु सीएम इस मौके पर पीएम को लेने नहीं पहुंचे।

पीएम मोदी आज तेलंगाना के सिकंदराबाद में रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे और राज्य को सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत ट्रेन का भी तोहफा देंगे। हालांकि, इस मौके पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव खुद पीएम के साथ मौजूद नहीं रहेंगे। बताया गया है कि केसीआर को प्रोटोकॉल के तहत न्योता भेजा गया था। बताया गया है कि केसीआर बेगमपेट एयरपोर्ट पर पीएम मोदी के स्वागत के लिए भी नहीं पहुंचेंगे।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की रखेंगे आधारशिला

पीएम मोदी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत केंद्र सरकार देशभर के 7,337 रेलवे स्टेशनों में से 1,275 का कायाकल्प करेगी। इसी क्रम में प्रधानमंत्री सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे। पीएम ने ट्वीट कर कहा, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास बुनियादी ढांचे के उन्नयन की महत्वपूर्ण परियोजना है, जिससे असंख्य लोगों को लाभ होगा।

वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे पीएम मोदी

पीएम मोदी आज ही नए टर्मिनल के उद्घाटन के अलावा चेन्नई और कोयंबटूर के बीच वंदे भारत ट्रेन को पुराची थलाइवर डॉ एम जी आर सेंट्रल रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाएंगे। दरअसल, दक्षिण रेलवे ने बुधवार को छोड़कर सभी दिनों में दोनों शहरों के बीच हाई-स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की योजना बनाई है। दक्षिणी रेलवे ने कहा कि ट्रेन 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दोनों तरफ के गंतव्य पर लगभग 5.50 घंटे में पहुंचेगी। यह एक्सप्रेस ट्रेनों की तुलना में 1.20 घंटे की यात्रा समय बचाएगी। प्रधानमंत्री धमनी कामराजार सलाई (बीच रोड) पर विवेकानंदर इल्लम में रामकृष्ण मठ के 125वें वार्षिक समारोह में भी भाग लेंगे और पल्लवरम में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे।

'हमें देश के प्रति उनके योगदान के बारे में सोचने की जरूरत', अदाणी-अंबानी पर शरद पवार का बयान

अदाणी मुद्दे पर जेपीसी गठन की कांग्रेस की मांग पर शरद पवार ने कहा, ₹मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाला पैनल ज्यादा बेहतर तरीके से सच्चाई सामने ला सकता है।

नई दिल्ली। राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने अदाणी मुद्दे पर जेपीसी के गठन की मांग को लेकर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कांग्रेस की ओर से बार-बार संसद में उठाई जा रही इस मांग से खुद को अलग करते हुए कहा कि इससे कुछ खास फायदा नहीं होगा। पवार ने आगे कहा, ₹मेरी पार्टी ने अदाणी मुद्दे पर जेपीसी का समर्थन किया है, लेकिन मुझे लगता है कि जेपीसी पर सत्तासीन पार्टी का कब्जा रहेगा, इसलिए इससे सच्चाई सामने नहीं आ पाएगी। तो मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाला पैनल ज्यादा बेहतर तरीके से सच्चाई सामने ला सकता है।

पवार ने आगे कहा, आज कल अंबानी-अदाणी का नाम सरकार की आलोचना के लिए इस्तेमाल होने लगा है, लेकिन हमें यह देश के लिए उनके योगदान के बारे में सोचना चाहिए। मुझे लगता है कि हमारे लिए बेरोजगारी, महंगाई और किसानों का मुद्दा ज्यादा अहम है।

2024 के आम चुनाव पर भी बोले पवार

एनसीपी प्रमुख ने 2024 आम चुनाव से पहले विपक्षी दलों की एकता को लेकर भी अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों ने इस मुद्दे पर एक संयुक्त बैठक की, जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा हुई। कुछ मसलों पर हमारी सहमति नहीं थी और हमने उन बातों को लेकर अपने विचार भी रखे।

कांग्रेस नेता ने राहुल गांधी को सजा सुनाने वाले जज को दी धमकी, कहा- सत्ता में आते ही काटेंगे जीभ

कांग्रेस की एससी/एसटी विंग तमिलनाडु के डिंडीगुल में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अयोग्यता का विरोध कर रही थी। इस दौरान जिला प्रमुख मणिकंदन ने कहा कि 23 मार्च को सूरत अदालत के न्यायाधीश ने हमारे नेता राहुल गांधी को दो साल की जेल की सजा सुनाई।

तमिलनाडु। डिंडीगुल जिला के कांग्रेस अध्यक्ष मणिकंदन गुरुवार को एक विरोध प्रदर्शन के दौरान आपा खो बैठे। उन्होंने राहुल गांधी को सजा देने वाले जज की जीभ काटने की धमकी तक दे दी। उन्होंने 6 अप्रैल को पार्टी द्वारा किए जा रहे एक विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि जब हमारी सत्ता आएगी हम राहुल गांधी को जेल भेजने के लिए फैसला सुनाने वाले जज की जीभ काट देंगे।

डिंडीगुल पुलिस ने बताया कि इस मामले को लेकर मणिकंदन के खिलाफ आईपीसी 153बी सहित तीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इसे लेकर जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि कांग्रेस की एससी/एसटी विंग तमिलनाडु के डिंडीगुल में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अयोग्यता का विरोध कर रही थी। इस दौरान जिला प्रमुख मणिकंदन ने कहा कि 23 मार्च को सूरत अदालत के न्यायाधीश ने हमारे नेता राहुल गांधी को दो साल की जेल की सजा सुनाई। सुनिए, जस्टिस एच वर्मा जब भी कांग्रेस सत्ता में आएगी तब हम आपकी जीभ काट देंगे।

दरअसल, 2019 में मोदी उपनाम को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में 23 मार्च को सूरत की सीजेएम कोर्ट ने धारा 504 के तहत राहुल को दो साल की सजा सुनाई थी। हालांकि, कोर्ट ने फैसले पर अमल के लिए 30 दिन की मोहलत भी दी थी। 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था, 'कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है?' इसी को लेकर भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। बाद में, सूरत की कोर्ट से राहुल गांधी को जमानत मिल गई। जिसके बाद कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा कि 'ये 'मित्रकाल' के विरुद्ध, लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। इस संघर्ष में, सत्य मेरा अस्त्र है, और सत्य ही मेरा आसरा!'

मुस्लिमों पर सभी का फोकस, सपा-बसपा के अलावा BJP भी रुख भांपने में लगा रही एड़ी-चोटी का जोर

परिवहन विशेष न्यूज

शहरी निकाय चुनाव में इस बार मुस्लिमों पर सभी का फोकस है। समाजवादी पार्टी और बसपा के अलावा इस बार भाजपा भी मुस्लिमों पर फोकस कर रही है। सभी निकायों में दलों ने भी अपनी पूरी ताकत लगा दी है तो वहीं भावी प्रत्याशियों ने भी सियासी बिसात पर चालें चलनी शुरू कर दी है।

लखनऊ। इसे बदलती राजनीति का आगाज कहा जाए या सियासी तानाबाना। विधानसभा और लोकसभा में एक भी मुस्लिम को टिकट न देने वाली भाजपा जहां इस बार मुस्लिमों पर फोकस कर रही है तो वहीं सपा और बसपा के बीच भी रस्साकसी तेज हो गई है। फोकस मुस्लिम वोटरों पर है। नगर निकाय चुनाव में इस बार भी मुस्लिम वोटरों को अपने पाले में करने के लिए सभी मुख्य दल जोर लगा रहे हैं।

समीकरण बनाने के लिए दल अपनी नीतियों में बदलाव तक करने को तैयार हैं। बावजूद इसके सवाल वही है कि मुस्लिम किस ओर जाएगा। क्या मुस्लिम भाजपा में भी भरोसा दिखाएंगे। शहरी निकाय चुनाव को लेकर मैदान तैयार होने लगा है। सभी निकायों में दलों ने भी अपनी पूरी ताकत लगा दी है तो वहीं भावी प्रत्याशियों ने भी सियासी बिसात पर चालें चलनी शुरू कर दी है।

सबसे पहले जद्दोजहद टिकट हासिल करने की है। जहां दावेदारों ने इसके लिए ताल ठोकनी शुरू कर दी है तो वहीं राजनीतिक दलों ने भी गुणा भाग शुरू कर दिया है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माने जा रहे इस चुनाव में इस बार कई चौंकाने वाले कदम पार्टियां उठाने जा रही है।

इस बार भी सभी दलों का फोकस मुस्लिमों पर है। चूंकि प्रदेश में लगभग दो दर्जन जिले ऐसे हैं जो जिनमें मुस्लिमों की खासी संख्या है। ऐसे में ये किसी भी चुनाव का परिणाम बदल सकते हैं। यही कारण है कि सभी दल मुस्लिमों के रुख को भांपने के लिए एडी चोटी का जोर लगा रहे हैं।

समाजवादी पार्टी ने विधानसभा चुनाव में मुस्लिमों पर फोकस किया था। यह चुनाव सपा ने रालोद के साथ मिलकर लड़ा था। मुस्लिमों ने भी सपा को जमकर वोट किया और उसके 34 मुस्लिम विधायक चुनाव जीत गए जबकि 2017 के चुनाव में मुस्लिम विधायकों की संख्या 24 थी। दस मुस्लिम विधायकों की संख्या बढ़ी। बावजूद इसके सपा उप्र में भाजपा को सरकार बनाने से नहीं रोक पाई। उधर पिछले शहरी निकाय चुनाव में सपा ने करारी शिकस्त महापौर के चुनाव में खाई। उसका एक भी उम्मीदवार महापौर पद पर नहीं जीत पाया। अलीगढ़, मुरादाबाद जैसी सीटों पर सपा ने मुस्लिम प्रत्याशी उतारे थे पर जीत नहीं सके। इस बार फिर से सपा मुस्लिमों पर फोकस करने की बात कर रही है। वह पहली बार रालोद के साथ मिलकर निकाय चुनाव भी लड़ रही है। उसे इसका लाभ मिलने की भी आस है।

बसपा को पिछले चुनाव में मुस्लिम दलित समीकरण का लाभ मिला था। उसने इसी समीकरण से मेरठ और अलीगढ़ में महापौर की सीटें जीत ली थीं। इन सीटों पर मुस्लिमों ने जमकर बसपा को वोट किया था। विधानसभा चुनाव 2022 में जिस तरह से काडर वोटर और मुस्लिम वोटर दोनों बसपा से खिसका, उसने बसपा के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। वह बस एक ही सीट जीत पाई। ऐसे में इस निकाय चुनाव में बसपा फिर से मुस्लिमों को जोड़ने की कोशिश में है। मुस्लिमों में बसपाई संदेश दे रहे हैं कि केवल मुस्लिम और दलित मिलकर ही भाजपा को रोक सकते हैं।

अहम बात यह है कि इस बार भाजपा भी मुस्लिमों को नगर निकाय चुनाव में अपेक्षाकृत ज्यादा संख्या में जोड़ने की कोशिश कर रही है। खास तौर से पसमांदा समाज के मुस्लिमों पर फोकस किया जा रहा है। सम्मेलन तक किए गए हैं। वहीं, नगर निगमों में 980 पार्षद पदों की तुलना में 844 पर ही बीजेपी ने चुनाव लड़ा था। कारण कि बाकी मुस्लिम बाहुल्य वार्ड थे। यहां भाजपा के पास उम्मीदवार ही नहीं थे, लेकिन अब हालात बदल गए हैं।

वर्ष 2017 का शहरी निकाय चुनाव में राजनीतिक दलों का प्रदर्शन

दल	महापौर	पालिका अध्यक्ष	पंचायत अध्यक्ष
भाजपा	14	70	100
बसपा	02	29	45
सपा	00	45	83
कांग्रेस	00	09	17
पार्षद एवं सदस्य			
दल	निगम	पालिका	पंचायत
भाजपा	597	923	664
बसपा	147	262	218
सपा	202	477	453
कांग्रेस	110	158	126

ये हैं मुस्लिम बाहुल्य जिले

उप्र में 24 जिले ऐसे हैं, जहां मुस्लिमों की संख्या 20% से ज्यादा है। इसके अलावा 12 जिलों में मुस्लिम आबादी 35% से 52% तक है। संभल, सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, बहराइच, मुजफ्फरनगर, बलरामपुर, मेरठ, अमरोहा, रामपुर, बरेली, श्रावस्ती में मुस्लिम आबादी सबसे ज्यादा है। उधर अलीगढ़, मुरादाबाद, फिरोजाबाद, संभल, शामली सहित कई जिलों में नगर पंचायतों में भी मुस्लिम वोटर बड़ी संख्या में हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। **Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023**